RNI No. : UPHIN/2021/84100

हिन्दी दैनिक

शौर्य भारत

प्रयागराज संस्करण

बुधवार, 22 अप्रैल, 2026

वर्ष : 04 अंक : 211 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2.00

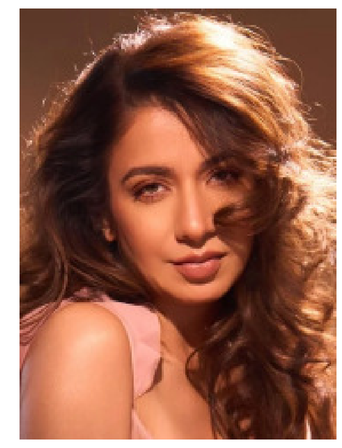

3 पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त शाखाओं के कार्यों ... 5 पुलिस महानिरीक्षक द्वारा जनपद के वार्षिक निरीक्षण 8 'जाइए सजना' फेम जैस्मिन सैंडलस का छलका ...

तमिलनाडु में 'एनडीए की लहर', चंद्रबाबू नायडू ने पीएम मोदी के नेतृत्व पर जताया अटूट भरोसा

चेन्नई **(एजेंसी)**। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि तमिलनाडु में एनडीए समर्थक लहर चल रही है और उन्हें विश्वास है कि आगामी विधानसभा चुनावों में मतदाता भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन का समर्थन करेंगे। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पत्रकारों से बात करते हुए नायडू ने बढ़ते समर्थन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा, 'एनडीए समर्थक लहर चल रही है। मुझे पूरा भरोसा है। लोगों को प्रधानमंत्री के नेतृत्व पर भरोसा है। इसका असर हर जगह दिख रहा है।'

गठबंधन पर प्रकाश डालते हुए नायडू ने आगे कहा कि यह एक

बहुत अच्छा संयोजन है - एआईएडीएमके, भाजपा और उनके सहयोगी दल। यही एनडीए है... मुझे पूरा विश्वास है कि लोग इस बार एनडीए को वोट देंगे। दोहरी इंजन सरकार, तभी प्रगति संभव है। टीडीपी प्रमुख ने प्रस्तावित परिसीमन और महिला आरक्षण का जोरदार बचाव करते हुए कांग्रेस और डीएमके के विरोध पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'जब हम पूछते हैं कि आप परिसीमन का विरोध क्यों कर रहे हैं, तो कोई जवाब नहीं मिलता। बिना जवाब के विरोध का कोई मतलब नहीं। किसी भी राज्य के साथ कोई अन्याय नहीं है। महिलाओं को समायोजित किया जा रहा है।'

इस सुधार को ऐतिहासिक बताते हुए नायडू ने कहा, 'यह एक महत्वपूर्ण सशक्तिकरण है। यह इस दशक या शायद इस सदी का एक बड़ा सुधार है। सभी राज्यों में सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि के साथ-साथ महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण होगा। इसमें गलत क्या है? विरोध क्यों?' उनकी ये टिप्पणियां संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के संसद में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहने के कुछ दिनों बाद आई हैं, जिससे परिसीमन से जुड़े सुधार रुक गए हैं। नायडू ने इससे पहले राहुल गांधी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की इस दावे के लिए आलोचना की थी कि विधेयक की विफलता एक 'जीत' है और उन पर महिला आरक्षण में देरी करने का आरोप लगाया था। समावेशी विकास पर जोर देते हुए नायडू ने कहा कि हमें सबको साथ लेकर चलना होगा। यही आरक्षण और परिसीमन का मूल मंत्र है। राजनीति सार्थक होनी चाहिए - विकास और प्रगति के लिए।' तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा और मतगणना 4 मई को होगी। मुख्य मुकाबला डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन और एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए के बीच है।

फ्लाई91 की हैदराबाद से हुबली फ्लाइट दो घंटे तक हवा में अटकी, रोते हुए यात्री बोले, भगवान हमें बचा लो

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। हैदराबाद से हुब्बल्ली जा रही एक विमान सेवा में सवार यात्रियों के लिए एक भयावह अनुभव सामने आया, जब उनका विमान हवा में ही लगभग दो घंटे तक चक्कर लगाता रहा और अंततः निर्धारित गंतव्य पर उतरने की बजाय उसे दूसरे शहर की ओर मोड़ना पड़ा। यह घटना 19 अप्रैल को हुई और इसने विमानन सुरक्षा तथा यात्रियों की मानसिक स्थिति को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए। हम आपको बता दें कि यह विमान हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दोपहर लगभग तीन बजकर चौदह मिनट पर उड़ा था और इसे शाम चार बजकर तीस मिनट तक हुब्बल्ली पहुंचना था। यह हवाई मार्ग केवल दो दिन पहले यानि सत्रह अप्रैल को ही शुरू किया गया था, इसलिए इस उड़ान में कई यात्री पहली बार इस मार्ग से यात्रा कर रहे थे। विमान में कुल बाइस यात्री सवार थे। जब विमान हुब्बल्ली के नजदीक पहुंचा, तब खराब मौसम की स्थिति के कारण उसे उतरने की अनुमति नहीं मिल सकी। इसके बाद विमान ने लगभग चार बजकर पंद्रह मिनट से लेकर छह बजकर पंद्रह मिनट तक हुब्बल्ली के ऊपर हवा में चक्कर लगाए। इस दौरान विमान में हलचल और झटकों का अनुभव हुआ, जिससे यात्रियों में घबराहट फैल गई।

यात्रियों द्वारा बनाए गए कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें लोग रोते और प्रार्थना करते हुए नजर आ रहे हैं। एक महिला हाथ जोड़कर भगवान से अपने और अपने बच्चों की सुरक्षा की गुहार लगाती हुई सुनाई देती है, जबकि एक अन्य यात्री यह कहते हुए दिखता है कि उसे कुछ समझ नहीं आ रहा और वह बस सुरक्षित उतरना चाहता है। इन दृश्यों ने इस घटना की गंभीरता को और अधिक उजागर कर दिया है।

प्रारंभिक जानकारी में यह आशंका जताई गई थी कि विमान में कोई तकनीकी खराबी आ गई थी, क्योंकि इतने लंबे समय तक हवा में चक्कर लगाना सामान्य स्थिति नहीं मानी जाती। हालांकि, विमान सेवा कंपनी ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि पूरी स्थिति केवल खराब मौसम के कारण उत्पन्न हुई थी और इसमें किसी प्रकार की तकनीकी समस्या नहीं थी। कंपनी के अनुसार, पायलट ने खराब मौसम के बारे में तीन बार घोषणा की थी और यात्रियों को स्थिति से अवगत कराया गया था। कंपनी का यह भी कहना है कि हुब्बल्ली क्षेत्र में मौसम अचानक बिगड़ गया था, जिसके कारण विमान को सुरक्षित रूप से उतारना संभव नहीं था। ऐसे में मानक प्रक्रिया के तहत विमान को पहले कुछ समय तक हवा में रोका गया और फिर स्थिति में सुधार नहीं होने पर उसे बेंगलुरु के केम्पेगौडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया।

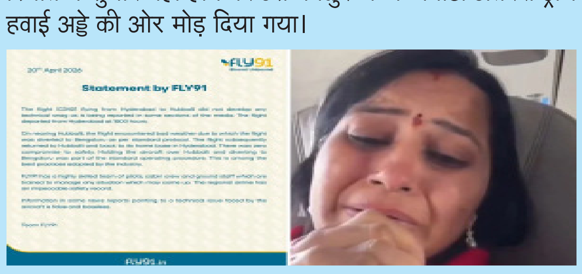

नोएडा हेट क्राइम पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

यूपी सरकार को आरोप जोड़ने के लिए 2 कार्रवाई की मोहलत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार को दो हफ़्ते का समय दिया। यह समय उन लोगों के खिलाफ़ भारतीय दंड संहिता की धारा 153ँ और 295ँ के तहत धर्म-आधारित अपमान और हेट क्राइम के आरोप जोड़ने के लिए दिया गया है, जिन पर 2021 में नोएडा में चलती वैन में एक मुस्लिम मौलवी के साथ कथित तौर पर मारपीट करने का आरोप है। जून 2021 में मौलवी काज़िम अहमद शेरवानी की शिकायत के अनुसार, जब वह नोएडा से अलीगढ़ जा रहे थे, तो एक चलती वैन में कुछ लोगों के एक समूह ने पहले उन्हें लिफ़्ट देने की पेशकश की, और फिर उनकी दाढ़ी खींचकर और उनकी टोपी उतारकर उनके साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया।

अपनी नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि उनके पिछले आदेश के बावजूद, अधिकारियों ने अभी तक ऊपर बताई गई धाराओं को लागू क्यों नहीं किया है। कोर्ट ने कहा कि वह जांच अधिकारी को तलब करने पर विचार कर रहा है, ताकि वह इस बात का स्पष्टीकरण दे सकें कि आदेश का पालन क्यों नहीं किया गया। हालाँकि, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वकील, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) के.एम. नटराज के अनुरोध पर, जिन्होंने कोर्ट के पिछले आदेश का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करने के लिए समय मांगा था, कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को दो हफ़्ते का समय दे दिया।

कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 19 मई के लिए तय की है। फरवरी में इस मामले की पिछली सुनवाई के दौरान, एएसजी नटराज ने दलील दी थी कि इस मामले में हेट क्राइम (नफ़रत से जुड़े अपराध) के प्रावधान लागू होंगे; इसके बाद कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से कहा था कि वे 'अपनी ज़िम्मेदारी निभाएँ' और इस मामले में हेट क्राइम के आरोप भी शामिल करें।

शेरवानी ने नवंबर 2021 में सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि नोएडा के अधिकारियों ने शुरू में उनकी शिकायत दर्ज करने से मना कर दिया था। उन्होंने हेट क्राइम के पीड़ितों के लिए मुआवज़े का एक ढाँचा बनाने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ़ कार्रवाई करने की भी माँग की थी। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को दो हफ़्ते का समय दिया, ताकि वे उन लोगों के खिलाफ़ भारतीय दंड संहिता की धारा 153ँ और 295ए के तहत धर्म के आधार पर भावनाएँ भड़काने और हेट क्राइम के आरोप जोड़ सकें, जिन पर 2021 में नोएडा में चलती वैन में एक मुस्लिम धर्मगुरु के साथ कथित तौर पर मारपीट करने का आरोप है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने के छह महीने के भीतर दशकों पुराना गोरखा मुद्दा सुलझाएंगे : अमित शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनती है तो दशकों पुराने गोरखा मुद्दे का समाधान छह महीने के भीतर कर दिया जाएगा। शाह ने कहा कि भाजपा के अलावा कोई अन्य दल गोरखाओं की समस्या का स्वीकार्य समाधान नहीं निकाल सकता। उन्होंने दार्जिलिंग जिले के कुर्सियांग में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा गोरखाओं की चिंताओं और आकांक्षाओं को समझती है और उनकी शर्तों के अनुसार समाधान खोजने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के छह महीने के भीतर हर गोरखा के चेहरे पर मुस्कान होगी। हम गोरखा मुद्दे का ऐसा समाधान निकालेंगे जिससे गोरखा शांति से रह सकें।'' गृहमंत्री ने कहा कि यह समस्या दशकों से बनी हुई है क्योंकि लगातार रही सरकारें दार्जिलिंग पहाड़ियों के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने की ईमानदारी से कोशिश करने में विफल रहीं। शाह ने कहा, ''कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने केवल दार्जिलिंग के साथ ही नहीं बल्कि हमारे देशभक्त गोरखा भाइयों के साथ भी अन्याय किया है। शाह ने दावा किया कि भाजपा ने इस मुद्दे को सुलझाने की कई बार कोशिश की। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मामले में तीन बैठक बुलाई थीं लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य का कोई प्रतिनिधि नहीं भेजा। उन्होंने कहा, ''मैंने गोरखा मुद्दे को सुलझाने के लिए तीन बैठक बुलाई थीं लेकिन पश्चिम बंगाल सरकार ने कोई प्रतिनिधि नहीं भेजा। यही कारण है कि एक मध्यस्थ नियुक्त करना पड़ा। शाह ने दोहराया कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर गोरखाओं की इच्छा के अनुसार इस मुद्दे के समाधान के लिए छह महीने के भीतर कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''मैं आज आपसे यह वादा करके जा रहा हूं कि भाजपा की सरकार बनते ही दशकों पुराने गोरखा मुद्दे का समाधान गोरखाओं की शर्तों के अनुसार किया जाएगा।

पीयूष गोयल का एमके स्टालिन पर बड़ा हमला

बताया 'विभाजनकारी और भारत विरोधी', एनडीए की जीत का किया दावा

चेन्नई **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री और तमिलनाडु भाजपा के चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने 21 अप्रैल को अपनी टिप्पणी के दौरान मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को विभाजनकारी और भारत विरोधी बताया। गोयल ने केंद्र पर परिसीमन का इस्तेमाल प्रगतिशील राज्यों को दंडित करने का आरोप लगाने और भाजपा को तमिलनाडु विरोधी कहने के लिए स्टालिन की आलोचना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एआईएडीएमके महासचिव एडप्पाडी पलानीस्वामी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) तमिलनाडु में निर्णायक जीत हासिल करेगा। गोयल ने कहा कि तमिलनाडु एडप्पाडी पलानीस्वामी के नेतृत्व में एनडीए को शानदार जीत दिलाएगा। श्री स्टालिन की समस्या यह है कि वे विभाजनकारी हैं; वे भारत को एक देश के रूप में स्वीकार नहीं कर सकते। उनका यह बयान खतरनाक है। एमके स्टालिन और उनके बेटे, और स्टालिन परिवार, भारत विरोधी, तमिलनाडु विरोधी हैं। इससे पहले, गोयल ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक को रोककर डीएमके और कांग्रेस पर महिलाओं के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया था।

उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत की उन महिलाओं के हितों को ठेस पहुंचाई है जो संसद में एक तिहाई आरक्षण पाने के लिए उत्सुक हैं, 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद के चुनावों में विधानसभाओं में भी। प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि हमारी बहनों, बेटियों और भारत की महिलाओं को राजनीतिक प्रक्रिया में उनका उचित हिस्सा मिले। लेकिन दुख की बात है कि कांग्रेस के गांधी परिवार, पश्चिम बंगाल के बनर्जी परिवार और तमिलनाडु के स्टालिन परिवार ने भारत की महिलाओं को पूरी तरह से निराश किया है।

यह घटना मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के उस बयान के बाद सामने आई है जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया की निंदा करते हुए इसे तमिलनाडु जैसे प्रगतिशील राज्यों के प्रति दंडात्मक बताया था।ँ पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में स्टालिन ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए परिसीमन विधेयक को तमिलनाडु को उसके प्रभावी जनसंख्या नियंत्रण और औद्योगिक प्रदर्शन के लिए दंडित करने का प्रयास बताया।

महिला आरक्षण पर खड़गे का बीजेपी पर हमला ये तमिलनाडु जैसे राज्यों के साथ धोखा है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा द्वारा महिला आरक्षण को 2011 की जनगणना पर आधारित परिसीमन से जोड़ने की आलोचना करते हुए इसे एक खतरनाक खेल बताया, जो जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए तमिलनाडु जैसे राज्यों को दंडित करता है। 21 अप्रैल को तमिलनाडु के वेलाचेरी में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, खर्गे ने लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के खारिज होने का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि केंद्र ने विधेयक पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने से इनकार कर दिया। खड़गे ने कहा कि भाजपा सरकार ने 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन को महिला आरक्षण से जोड़कर एक खतरनाक खेल खेलने की कोशिश की। इसका मतलब है तमिलनाडु जैसे राज्यों को दंडित करना, जिन्होंने सफलतापूर्वक जनसंख्या नियंत्रण किया। विपक्ष एकजुट रहा, दिल्ली में कांग्रेस ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया, और डीएमके, टीएमसी, एसपी सभी ने कंधे से कंधा मिलाकर विधेयक को विफल किया।

खार्गे ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की प्रशंसा करते हुए कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विधेयक के खिलाफ आवाज उठाने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि यह जनविरोधी और दक्षिण विरोधी है, इसलिए उन्होंने विधेयक को फाड़कर जला दिया। यह देश के हर नागरिक की जीत है। यह संघवाद और न्याय की जीत है। हमने पंचायत और स्थानीय निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है। यह कांग्रेस की उपलब्धि है, प्रधानमंत्री मोदी की नहीं।

उन्होंने परिसीमन प्रक्रिया को देश के साथ धोखाधड़ी बताया और इस बात पर ज़ोर दिया कि 2023 में महिला आरक्षण विधेयक सर्वसम्मति से पारित तो हुआ, लेकिन लागू नहीं हुआ। खरगे ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने इसे लागू क्यों नहीं किया? उन्होंने इसे 30 महीनों तक ठंडे बस्ते में रखा। मैंने प्रधानमंत्री मोदी और रिजिजू को तीन पत्र लिखकर विधेयक को लागू करने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मैंने सर्वदलीय बैठक का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से बैठकें बुलाईं। यह देश के साथ धोखा है।

पहलगाम हमले की पहली बरसी पर भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को याद करते हुए आतंकियों को दी खुली चेतावनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पिछले वर्ष 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला देश को झकझोर देने वाला था। अपनी प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन के लिए प्रसिद्ध पहलगाम उस दिन खून से रंग गया, जब पाकिस्तानी आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी। इस हमले की पहली बरसी की पूर्व संध्या पर भारतीय सेना ने आपरेशन सिन्दूर को याद करते हुए आतंकियों को कड़ी चेतावनी दी है कि मानवता की सीमाएं लांघने पर जवाब निर्णायक होगा और भारत कभी भूलता नहीं। सेना के जनसंपर्क विभाग ने स्पष्ट संदेश दिया कि जब इंसानियत की सीमाएं पार होती हैं तो न्याय सुनिश्चित किया जाता है और पूरा देश एकजुट होकर खड़ा रहता है। हम आपको याद दिला दें कि पहलगाम हमले की एक और भयावह बात यह थी कि आतंकवादियों ने पीड़ितों से उनका धर्म पूछकर उन्हें मौत के घाट उतारा, जिसने इस घटना को और अधिक अमानवीय बना दिया।

हम आपको याद दिला दें कि भारत ने इस हमले का जवाब कड़े सैन्य कदमों से दिया था। 7 मई 2025 को शुरू किए गए ऑपरेशन सिन्दूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर में स्थित नौ बड़े आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था। इन ठिकानों में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के अड्डे शामिल थे। इस कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया था। इसके बाद पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमले और गोलाबारी की घटनाएं सामने आईं, जिससे दोनों देशों के बीच चार दिन तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही थी। भारत ने मजबूती से जवाब देते हुए लाहौर और गुजरांवाला के पास स्थित रडार ठिकानों को नष्ट कर दिया थी। भारी नुकसान के बाद पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने भारत से संपर्क किया और 10 मई को संघर्ष विराम पर सहमति बनी थी।

इसके अलावा ऑपरेशन महादेव भी एक महत्वपूर्ण सफलता रही, जिसमें सुरक्षा बलों ने पहलगाम हमले में शामिल तीन आतंकियों को खोजकर मार गिराया। इसके अलावा, गैर सैन्य कदमों के तहत भारत ने सिंधु जल संधि और पाकिस्तान के साथ सभी द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध भी समाप्त कर दिए थे। पहलगाम हमले के बाद भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को भी तत्काल प्रभाव से देश छोड़ने का आदेश दिया गया था। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कहा कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा और आतंक को समर्थन देने वाली सरकार तथा उसके संचालकों में कोई अंतर नहीं किया जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी लगातार कहते रहे हैं कि ऑपरेशन सिन्दूर अभी समाप्त नहीं हुआ है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

हम आपको यह भी बता दें कि थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इस ऑपरेशन को तीनों सेनाओं के बीच उत्कृष्ट समन्वय का उदाहरण बताया था। उन्होंने कहा कि स्पष्ट राजनीतिक निर्देश और कार्रवाई की पूरी स्वतंत्रता के कारण यह अभियान सफल रहा। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने भी इसे एक निर्णायक क्षण बताया था, जिसने वायु सेना की सटीकता, ताकत और एकजुटता को प्रदर्शित किया। वहीं नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा था कि उत्तरी अरब सागर में तैनात युद्धपोत समूह ने पाकिस्तान की नौसैनिक गतिविधियों को सीमित कर दिया था।देखा जाये तो पहलगाम हमला केवल एक आतंकी घटना नहीं था, बल्कि यह मानवता पर हमला था। इसके जवाब में भारत की सैन्य, कूटनीतिक और रणनीतिक कार्रवाई ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश अपनी सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाने को तैयार है।

अमित शाह के 'आरोपपत्र' का जवाब ममता बनर्जी का बीजेपी के खिलाफ 'कट-मनी' पर पलटवार

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार राज्य की सत्ता में आएगी और कोई नहीं चाहता कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बनाए। पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने विपक्षी दलों का आह्वान किया कि केंद्र से भाजपा नीत राजग सरकार को हटाने के लिए सब साथ में आएं। उन्होंने कहा, "भाजपा इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव नहीं जीतेगी। तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर सरकार बनाएगी। हम 2026 में ही दिल्ली से भी भाजपा को हटा देंगे।" तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह पिछले एक महीने से पश्चिम बंगाल का गहन दौरा कर रही हैं और इस अवधि में "मैं समझ गई कि जनता क्या चाहती है, यह साफ है कि कोई भी भाजपा को नहीं चाहता।" तृणमूल कांग्रेस सरकार पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए भाजपा द्वारा जारी 'आरोपपत्र' पर उसे आड़े हाथ लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह भी हल्दिया डॉक कॉम्प्लैक्स और उससे लगे औद्योगिक क्षेत्र में 'कट-मनी' लेने के लिए भाजपा के खिलाफ आरोपपत्र जारी कर रही हैं। बनर्जी ने कहा, "आपने तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ आरोपपत्र जारी किया, मैं भी भाजपा के खिलाफ आरोपपत्र जारी कर रही हूं।" केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तृणमूल सरकार के खिलाफ एक आरोपपत्र जारी करते हुए 28 मार्च को राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार का, कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का और घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

एसडीएम सोरांव ने नगर पंचायत लालगोपालगंज के नामित सभासदों को शपथ दिलाई

शौर्य भारत संवाददाता

लालगोपालगंज प्रयागराज। मंगलवार को लालगोपालगंज नगर पंचायत में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नामित तीनों सभासद सर्वेश केसरवानी, शारदा पटेल तथा अशोक सरोज को उप जिलाधिकारी सोरांव ज्ञानेन्द्र नाथ द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई तथा उन्हें प्रमाण पत्र भी दिया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान व विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य मौजूद रहे अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत लालगोपालगंज पद्मजा मिश्रा ने भाजपा जिला अध्यक्ष गंगापार को देखकर उनका स्वागत किया जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान ने बैनर में प्रदेश अध्यक्ष की फोटो न होने पर नाराजगी जताई और कहा कि कोई किसी पार्टी का हो सब मिलकर विकास का कार्य करें जिससे नगर पंचायत का विकास हो सके। विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने कहा कि नामित सभासद नगर पंचायत में विकास कार्य करने का कार्य करेंगे नगर पंचायत से जो प्रस्ताव मिलेगा उसे कराने का प्रयास करूंगा। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन प्रदीप केशरवानी, जिला उपाध्यक्ष अमरजीत कुशवाहा, तुलसी राम सरोज, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी जिला मंत्री सुशील त्रिपाठी, राजू पाल, श्याम सुंदर दुबे शशिकांत शर्मा, जगदीश पटेल महेन्द्र तिवारी, डॉ कार्तिकेय त्रिपाठी, दीपक त्रिपाठी, अभिषेक भट्ट, सूरज यादव शिवबाबू मोदनवाल महेश माली, राधेश्याम पटेल, गुड्डू राजा आदि मौजूद रहे।

अरैल में बागेश्वर धाम सरकार की हनुमत कथा, 'हिन्दू एकता' का दिया संदेश

बाहर से संसारी लेकिन भीतर से संस्कारी रहो भगवान के होकर रहो - पं.धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

'राम नाम की माला ही जीवन का आधार'- कथा में उमड़ा जनसैलाब

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति के अध्यक्ष डाक्टर उदय प्रताप सिंह के द्वारा श्रीं बागेश्वर धाम सरकार की राष्ट्र हनुमंत कथा के अंतर्गत मंगलवार को प्रयागराज के अरैल क्षेत्र में आयोजित हनुमंत कथा में पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने व्यासपीठ पूजन के बाद श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सनातन एकता और राम नाम के महत्व पर जोर दिया। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही और भक्ति गीतों पर भक्त झूमते नजर आए।

कथा व्यास पं. धीरेन्द्र शास्त्री जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह 'हिन्दुओं का महासंगम' है। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज को जाति-पाति से ऊपर उठकर एकजुट होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग चंदन-वंदन और हिन्दू आस्था से परेशान हैं, उन्हें अपना रास्ता बदल लेना चाहिए, अन्यथा भारत का कानून उन्हें सुधार देगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश की पुलिस व्यवस्था का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां कानून-व्यवस्था से कोई बच नहीं सकता।

उन्होंने प्रयागराज को आस्था का सबसे बड़ा केंद्र बताते हुए कहा कि संगम में आस्था का सबसे बड़ा कुंभ लगा है, जहां सनातन की शक्ति दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि 'हम हिन्दू हैं, सनातनी हैं और हमें इसी पहचान के साथ संगठित होना होगा।'

कथा का शीर्षक सुंदरकाण्ड

बताते हुए उन्होंने कहा कि यह वह कथा है जो जीवित मनुष्यों को भी भगवान का स्मरण कराती है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति भगवान को सर्वस्व अर्पण करके जीता है, उसके जीवन में किसी चीज की कमी नहीं रहती। उन्होंने श्रद्धालुओं को संदेश देते हुए कहा कि 'बाहर से संसारी लेकिन भीतर से संस्कारी रहो, भगवान के होकर रहो।'

पं. शास्त्री जी ने संतों के सत्संग को जीवन की दिशा बताते हुए कहा कि संतों के संग बैठकर हरि नाम लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में अनेक संतों के दर्शन होते हैं, लेकिन संतों के प्रति प्रेम और श्रद्धा बनाए रखना आवश्यक है।

उन्होंने विनम्रता पर बल देते हुए कहा कि बड़ा बनने के लिए झुकना पड़ता है और अपने से बड़ों का सम्मान करना ही बड़प्पन है। उन्होंने कहा कि यदि जीवन में सच्चा आराम चाहिए तो भगवान का नाम जपना चाहिए। उन्होंने राम नाम की माला का महत्व बताते हुए कहा कि जिस माला में राम नहीं, वह माला किसी काम की नहीं।

कथा के दौरान 'सीता राम सीता राम कहिए', 'जाही विधि राखे राम' जैसे भजनों पर श्रद्धालुओं ने तालियां बजाकर भक्ति भाव से वातावरण को राममय कर दिया। कथा व्यास ने कहा कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है, यदि जीवन में राम नहीं तो यह जीवन किसी काम का नहीं।

कथा कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भीड़ देर शाम तक बनी रही और पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजता रहा।

कथा के प्रथम दिवस पर महाभारत के कलाकार अर्जुन त्रिलोचन महाराज, पागल बाबा महाराज महापौर गणेश केसरवानी, ने आरती की और इस भव्य में आयोजन के लिए प्रयाग उत्थान समिति की प्रति आभार जताया है।

इस अवसर विनय प्रताप सिंह अजीत सिंह, धीरेंद्र प्रताप सिंह , राजेश केसरवानी अभिषेक ठाकुर, दिलीप चतुर्वेदी, पार्षद राकेश जायसवाल, निखिल पांडे, शिवम अग्रहरी, अभिलाष केसरवानी शत्रुघ्न जायसवाल रोशनी अग्रवाल, अनामिका दास, आदि समिति के कार्यकर्ता सेवा कार्य में जुटे रहे।

लूट की बड़ी साजिश को एयरपोर्ट पुलिसने किया नाकाम, दो गिरफ्तार

राजरूपपुर में चिहिंत किये थे सराफा की दुकानें, बम तमंचा, मिर्ची बम एवं एक एयरगन बरामद, दो की तलाश

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। एयरपोर्ट थाना की पुलिस ने बड़ी लूट की घटना की योजना को नाकाम कर दिया है। गस्त के दौरान पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो अन्य फरार हो गये। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उनका राजरूपुर स्थित सराफा की दुकानों में लूट का प्लान था, कई दुकाने चिंहित किये थे। आरोपित अनिकेत पाण्डेय निवासी रसूलपुर बिउर तिलहापुर मोड कौशाम्बी, सूरज सिंह उर्फ अनिकेत निवासी पश्चिम शरीरा कौशांबी है। आरोपितों के पास से पांच बम, एक तमंचा, दो मिर्ची स्प्रे एवं एक एयरगन बरामद की गयी है। एयरपोर्ट थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया कि मंगलवार को पुलिस टीम संदिग्ध लोगों एवं वाहनों की सघन चेकिंग कर रही थी। तभी फुलवारी बाग के पास टीम ने घेराबंदी कर दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जबकि दो अन्य आरोपित फरार हो गये। गिरफ्तार आरोपित अनिकेत पाण्डेय एवं सूरजसिह की तलाशी

लेने पर आरोपितों के पास से तमंचा, बम, मिर्ची स्प्रे एवं एक एयर गन बरामद की गयी। पूछताछ में आरोपितों ने पुलिस टीम को बताया कि वह लूट, चोरी एवं छिनैती की घटनाओं को अंजाम देते हैं। उन्होंने धूमनगंज के राजरूपुर स्थित कुछ सराफा की दुकानों को चिंहित किया था। और घटना को अंजाम देने के लिए जा रहे थे लेकिन इसके पहले गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस दो फरार आरोपित दीपांशू और विराट की तलाश कर रही है। इंस्पेक्टर राजेश उपाध्याय ने बताया कि आरोपितों की लूट की योजना थी। दो फरार आरोपितों की तलाश की जा रही है जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

एचटी लाइन का तार टूटकर गिरा, आग लगने से नुकसान

शौर्य भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के डेरागदाई गांव में मंगलवार दोपहर दो बजे एचटी लाइन का तार टूटकर गिरने से आग लग गई, जिससे पेड़-पौधों के साथ घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया।जानकारी के अनुसार, गांव निवासी संगीता शुक्ला के घर के समीप लगभग 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का तार अचानक टूटकर हरे पेड़ पर गिर पड़ा। तार के संपर्क में आते ही पेड़ में आग लग गई, जिसने देखते ही देखते आसपास के कई जंगली पेड़ों और कुछ गृहस्थी के सामान को अपनी चपेट में ले लिया।आग की लपटें उठती देख मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्काल प्रयास कर किसी तरह आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि आग से काफी नुकसान हुआ है।ग्रामीण इंद्रमणि शुक्ला समेत अन्य लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में जर्जर विद्युत तारों को बदलने और केबल बिछाने की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उनका कहना है कि कुछ दिन पूर्व भी तार टूटने से फसल जलकर नष्ट हो चुकी है, फिर भी समस्या का समाधान नहीं किया गयाग्रामीणों ने विद्युत विभाग से तत्काल जर्जर तारों को बदलने और सुरक्षित केबल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

समाज कल्याण विद्यालय में बच्चो का आया रिजल्ट

रिमशा फातिमा का 91% रहा वही आयुष मौर्या का 89%देखने को मिला और तीसरी बच्ची मरियम बानो व अलतब नसीम का 75% रहा तीनो ने स्कूल टॉप रही

शौर्य भारत संवाददाता

मंसूराबाद प्रयागराज। जनपद के मंसूराबाद के समीप में समाज कल्याण विद्यालय के बच्चों का आया परीक्षा परिणाम तीन छात्र व छात्राओं ने किया स्कूल टॉप प्रबन्धक अब्दुल सत्तार फारूकी व प्रिंसिपल खुशनवेदा फारूकी के साथ संचालक मो0 मुस्लिम ने तीनो बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए बधाई के साथ उपहार देकर किया सम्मानित जी हाँ आप सही पढ़ रहे है कहते कि शिक्षा ही मात्र एक ऐसी चीज है जो आपसे न कोई छीन सकता है और न ही कोई चुरा सकता है जीवन में सफलता पाने के लिये शिक्षा ही एक मात्र ऐसी सीढ़ी है जो आपका भविष्य तय करती है यह बातें समाज कल्याण विद्यालय की प्रिंसिपल खुशनवेदा फारूकी ने अपने उद्बोधन में कहा । इस कार्यक्रम के दौरान स्कूल में कुछ दिन पहले दिये गये परीक्षा के परिणाम आने पर गुरुवार के दिन हजारो बच्चों को उनके परीक्षा के रिजल्ट देने के लिये एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे सभी बच्चों को उनके रिजल्ट को दिया गया । परीक्षा परिणाम में समाज कल्याण विद्यालय की तीन बच्चो ने टॉप किया जिनमे रिमशा फातिमा का 91इ रहा तो वही एक छात्र आयुष मौर्या का 89इ देखने को मिला और तीसरी बच्ची शिवांजली यादव व मरियम बानो व अलतब नसीम का 75इ रहा यह सभी स्कूल टॉप रहे । इस मौके पर प्रीति मुखर्जी, जरीना बानो, शिवकुमार, अमीषा शुक्ला, रिया मुखर्जी, खुशी केशरवानी, जैनब फातिमा, वंदना देवी, तोयज कुमार, सुशीला देवी आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

विधायक दीपक पटेल ने जनसुनवाई का नया कीर्तिमान स्थापित किया

प्रयागराज। मंगलवार को फूलपुर विधायक दीपक पटेल ने अपने आवास पर जनसुनवाई कर एक कीर्तिमान स्थापित किया लगातार जनसुनवाई करने वाले सरल स्वभाव के फूलपुर से भाजपा विधायक दीपक पटेल की जनसुनवाई चर्चा का विषय बन चुकी है विधानसभा उप चुनाव में दो बार विधायक रहे मुजतबा सिद्दीकी को बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी थी विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने बताया कि फूलपुर और करछना विधानसभा सहित प्रयागराज जनपद के कई स्थानों से बड़ी संख्या में आए लोगों की समस्या को विधायक दीपक पटेल ने सुनकर उसके समाधान के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित दिया। उन्होंने कहा कि जनता ही हमे अपना अमूल्य वोट देकर विधायक सांसद बनाती है इनकी समस्या का समाधान कराने से बड़ा कोई काम नहीं है। गौरतलब है कि विधायक दीपक पटेल रोज सुबह 10 से 12, बजे तक जनसुनवाई करते हैं लोगों की समस्या सुनकर उसका समाधान भी कराते हैं हैं । जनता दर्शन में आए लोगों ने विधायक दीपक पटेल की जमकर तारीफ की। इस अवसर पर मुख्य रूप से नामित पार्षद अरुण कुमार मिश्रा पिंटू नेता, भूपेन्द्र पांडेय अभिषेक सिंह, सतीश पटेल बड़ी संख्या में लोग आदि मौजूद रहे।

निगम में अभी तक हुए कार्यों की हुई समीक्षा : जनता से जुड़ी समस्याओं का समाधान है सम्भव-नगरआयुक्त

नगर निगम के साप्ताहिक बैठक में सभी जोन के अधिकारीगण रहे उपस्थित

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। नगर निगम में आज मंगलवार को सम्भव जनसुनवाई के दौरान नगर आयुक्त, श्री सीलम साईं तेजा जी नगर निगम के अपने क्षेत्रों से आए जनमानस की समस्याओं को सुना। नगर आयुक्त ने कहा कि समस्याओ का त्वरित निस्तारण करना हमारा दायित्व है।

जनसुनवाई के दौरान नगर आयुक्त ने अश्वासन दिया कि जनसुनवाई में आई शिकायतो में पेयजल तथा सड़क-नाली निर्माण तथा अतिक्रमण आदि से जुड़ी रहती है । नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल तथा नालों और नालियों की साफ-सफाई तथा जाम नालियों की समस्या है उसे मरम्मत या निर्माण कार्य करने को कहा इस दौरान शहर में विभिन्न स्थानों चबूतरे, पेयजल, शौचालय/यूरिनल, जल की समस्याओं, हाउस टैक्स तथा नगर की सड़कों पर सफाई की व्यवस्था किये जाने का ध्यान रखने को कहा इसी क्रम में साफ-सफाई मार्ग प्रकाश, मलवा, अतिक्रमण जैसी समस्या को तत्काल निस्तारण का आदेश को दिया।

सम्भव की बैठक में अपर नगर आयुक्त दीपेन्द्र यादव, अरविन्द कुमार रॉय, /जनसंम्पर्क अधिकारी विभाग दिनेश चंद्र सचान मुख्य अभियंता (सिविल), संजय कटियार मुख्य अभियंता (वि./या.), डाद महेश कुमार नगर स्वास्थ्य अधिकारी, गौरव कुमार महाप्रबंधक जलकल संजय मंमगई मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, डाद विजय अमृत राज पशु चिकित्सा कल्याण विभाग , रामपूजन सहायक नगर आयुक्त अशोक कुमार जोनल अधिकारी जोन 2, नवनीत शंखवार जोन 3, विकास जैन जोन 4, अखिलेश त्रिपाठी जोन 5, श्याम कुमार जोन 6, सौरभ यादव जोन 7, सुदर्शन चंद्र जोन 8 सभी जोनल अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अघोषित विद्युत कटौती से थरवई क्षेत्र के लोग परेशान

थरवई। क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। गोड़वा विद्युत उपकेंद्र से जुड़े बाकरगंज फीडर के अंतर्गत आने वाले जगदीशपुर, पूरे चंदा शाहजीपुर, बडनपुर सहित तीन दर्जन से अधिक गांवों के विद्युतउपभोक्ता इन दिनों भारी परेशानियों का सामना कर रहे भीषण गर्मी के बीच लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। घरों में पंखे और कूलर बंद पड़े हैं, वहीं रात की नींद भी हराम हो गई है। सबसे अधिक दिक्कत पेयजल को लेकर हो रही है, स्थानीय लोगों में दिनेश कुमार पांडे सज्जन द्विवेदी राजन तिवारी डॉ धर्मराज यादव कृष्ण कुमार गिरी संदीप शर्मा रमेश चंद्र पांडे बिंदु गुप्ता के के यादव कमल राज साहू गुलफामअहमद अशोक मिश्रा कहना है कि समस्या को लेकर कई बार विद्युत विभाग केअधिकारियों से नियमित विद्युत आपूर्ति की माँग की गई, लेकिन स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हो सका है। विद्युत विभाग से मांग की है कि अघोषित कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए और नियमित रूप से बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

मासूम से दुष्कर्म का आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार

प्रयागराज। दो साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का आरोपी मंगलवार शाम पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। उसे प्रतापगढ़ के मानिकपुर थाने की पुलिस मेडिकल जांच के लिए एसआरएन अस्पताल लेकर आई थी, जहां से वह भाग निकला। आरोपी के फरार होने की सूचना पर पुलिस महकमे में खलबली मच गई। देर रात तक शहर के रेलवे स्टेशन, बस अड्डा समेत अन्य जगहों पर तलाश जारी रही। उधर, लापरवाही के आरोपी में प्रतापगढ़ एसपी ने दो सिपाही को निलंबित कर दिया।प्रतापगढ़ के कुंडा निवासी जलालुद्दीन को मानिकपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उस पर दो साल की बच्ची के साथ बीते रविवार को दुष्कर्म का आरोप लगा था। मानिकपुर पुलिस की टीम आरोपी जलालुद्दीन को मंगलवार को एसआरएन अस्पताल डीएनए टेस्ट व मेडिकल जांच के लिए लेकर आई थी। हालांकि इसी बीच पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। इसकी जानकारी होते ही प्रयागराज की पुलिस भी सक्रिय हो गई। कोतवाली थाना समेत आसपास के थानों की पुलिस संभावित जगहों पर देर रात तक सर्च करती रही, लेकिन आरोपी का पता नहीं चल सका। डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य ने बताया कि एसआरएन अस्पताल से पुलिस अभिरक्षा से दुष्कर्म के आरोपी के फरार होने की सूचना मिली है। उसकी तलाश की जा रही है।

निर्दोष को मारी गई गोली भी हत्या का अपराध मानी जाएगी

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या के मामले में सजा काट रहे अपराधी रिजवान की जमानत और सजा के स्थगन की अर्जी को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति जयकृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि अभियुक्त का आपराधिक इतिहास और अपराध की प्रकृति उसे राहत देने के योग्य नहीं बनाती है। अदालत ने अपने फैसले में 'डॉक्ट्रिन ऑफ ट्रांसफर ऑफ मैलिस' (दुर्भावना के हस्तांतरण का सिद्धांत) का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी एक की हत्या के इरादे से गोली चलाता है और वह गोली किसी दूसरे निर्दोष व्यक्ति को लग जाती है, तब भी वह हत्या के अपराध का ही दोषी माना जाएगा। यह मामला वर्ष 2019 का है, जब संभल के बनियाढेर थाना क्षेत्र में रिजवान ने एक दुकानदार से पैसों की मांग की थी। दुकानदार के मना करने पर रिजवान ने उसे जान से मारने की नीयत से गोली चलाई, जो चूक गई। हालांकि, दूसरी बार चलाई गई गोली वहां काम कर रहे शाकिर नाम के मजदूर को लग गई, जिसकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। सत्र न्यायालय ने इस मामले में रिजवान को हत्या और अन्य संगीन धाराओं में दोषी करार दिया था, जिसके खिलाफ उसने उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी।सुनवाई के दौरान अभियुक्त के वकील ने तर्क दिया था कि रिजवान का इरादा शाकिर को मारने का नहीं था, इसलिए यह हत्या के बजाय गैर इरादतन हत्या का मामला है। साथ ही यह दावा भी किया गया था कि अभियुक्त का कोई पूर्व आपराधिक इतिहास नहीं है। हालांकि, सरकारी वकील ने इस दावे का कड़ा विरोध करते हुए अदालत के सामने 27 आपराधिक मामलों की एक लंबी सूची पेश की, जिसमें गंभीर अपराध शामिल थे। अदालत ने पाया कि अभियुक्त ने अपने हलफनामे में आपराधिक इतिहास के बारे में सही जानकारी नहीं दी थी और वह एक आदतन अपराधी है। इन्हीं तथ्यों और सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न कानूनी उदाहरणों को आधार बनाते हुए हाईकोर्ट ने रिजवान की जमानत याचिका को पूरी तरह से खारिज कर दिया।

लंबी सेवा के बाद बिना आधार नौकरी से हटाना गलत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गौतम बुद्ध नगर के एक हेडमास्टर मुकेश कुमार शर्मा की सेवा समाप्ति के आदेश को रद्द करते हुए उन्हें बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि लगभग तीन दशकों की बेदाग सेवा के बाद किसी शिक्षक को केवल इस आधार पर नहीं हटाया जा सकता कि उसने एक ही सत्र में दो डिग्रियां हासिल की थीं, खासकर तब जब ऐसा करने पर कोई कानूनी रोक न हो। न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने यह आदेश मुकेश कुमार शर्मा द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।मामले के अनुसार, याची की नियुक्ति 1997 में अप्रशिक्षित सहायक अध्यापक के रूप में हुई थी और बाद में प्रशिक्षण पूरा करने पर उन्हें नियमित वेतनमान दिया गया।

वर्ष 2025 में एक शिकायत के आधार पर बेसिक शिक्षा अधिकारी ने उनकी सेवाएं इस आधार पर समाप्त कर दी थीं कि उन्होंने सत्र 1993-94 में इंटरमीडिएट और शारीरिक शिक्षा प्रमाणपत्र दोनों नियमित रूप से प्राप्त किए थे। कोर्ट ने पाया कि इस कार्रवाई से पहले न तो कोई नियमित विभागीय जांच की गई और न ही याची को अपनी बात रखने का उचित अवसर दिया गया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों और उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक अनुशासन एवं अपील नियमावली का खुला उल्लंघन है।अदालत ने सर्वोच्च न्यायालय के 'कुलदीप कुमार पाठक' केस का हवाला देते हुए कहा कि यदि कोई वैधानिक रोक नहीं है, तो दो परीक्षाओं में एक साथ बैठने को अयोग्यता का आधार नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि याची के शैक्षिक प्रमाणपत्र आज भी वैध हैं और उन्हें किसी सक्षम प्राधिकारी ने रद्द नहीं किया है। कोर्ट ने बीएसए द्वारा जारी 11 दिसंबर 2025 के बर्खास्तगी आदेश को मनमाना और दोषपूर्ण करार देते हुए इसे खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट का पतियों को कड़ा संदेश, भरण-पोषण से बचने के लिए गरीबी का बहाना नहीं चलेगा

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि जो व्यक्ति अपने परिवार का भरण-पोषण नहीं कर सकता, उसे शादी करने के अपने फैसले पर दोबारा विचार करना चाहिए। कोर्ट ने साफ किया कि एक बार शादी हो जाने के बाद, कोई भी पुरुष अपनी खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देकर अपनी पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण की ज़िम्मेदारी से बच नहीं सकता। कोर्ट ने इस ज़िम्मेदारी को एक कानूनी दायित्व बताया।

ये टिप्पणियाँ भरण-पोषण को लेकर एक वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान की गईं। जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस विवेक सरन की डिवीज़न बेंच ने तेज बहादुर मौर्य द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया। मौर्य ने फैमिली कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें चल रहे विवाद के दौरान अपनी पत्नी को अंतरिम भरण-पोषण राशि देने का निर्देश दिया गया था।

इससे पहले, फैमिली कोर्ट ने पति को अपनी पत्नी को अंतरिम भरण-पोषण के तौर पर हर महीने 4, 000 रुपये देने को कहा था। इसे चुनौती देते हुए, मौर्य ने तर्क दिया कि उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है और इस पर ठीक से विचार नहीं किया गया।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पत्नी किसी अन्य व्यक्ति के साथ रह रही है, लेकिन कोर्ट ने पाया कि इस दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान, पत्नी ने कोर्ट को बताया कि वह ज़्यादा पढ़ी-लिखी नहीं है, उसकी आय का कोई स्थिर स्रोत नहीं है, और वह अकेले ही बच्चों की देखभाल कर रही है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए, कोर्ट ने कहा कि हर महीने 4, 000 रुपये की राशि न तो बहुत ज़्यादा है और न ही पति की क्षमता से बाहर है। कोर्ट ने ज़ोर देकर कहा कि शादी अपने साथ स्पष्ट ज़िम्मेदारियाँ लाती है। कोर्ट ने कहा कि शादी के बाद कोई भी पति, चाहे आर्थिक चुनौतियाँ कितनी भी हों, अपने परिवार का भरण-पोषण करने से पीछे नहीं हट सकता।

चायल उप जिलाधिकारी ने ग्राम मलाक मोईनुद्दीनपुर में 5 भूमि विवादों का कराया त्वरित निपटारा

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। उप जिलाधिकारी चायल अरुण कुमार ने 'टॉप-10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान' अभियान के अंतर्गत ग्राम मलाक मोईनुद्दीनपुर उपहार में कैंप आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम के माध्यम से भूमि विवाद की 5 शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया।

ज्ञात हो कि शिकायतकर्ता राजन पासी की शिकायत पर आराजी संख्या 158 का चिन्हांकन कराया गया। शिकायतकर्ता प्रशांत कुमार की शिकायत पर कब्रिस्तान की भूमि कब्जा मुक्त कराई गई तथा शिकायतकर्ता पुरुषोत्तम की शिकायत पर खतौनी में नाम संशोधन का आदेश पहले ही पारित हो चुका है, जिसकी अमलदरामत खतौनी में दर्ज हो चुकी है। सभी शिकायतकर्ता निस्तारण से संतुष्ट रहे। उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को भविष्य में भी इसी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनसमस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई के जरिए सुनी शिकायते दिए निर्देश

ध्यान सिंह

कौशाम्बी। जिले में पुलिस कार्यालय में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई का आयोजन किया। इसमें विभिन्न थाना क्षेत्रों से बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत ने सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों का गहन अवलोकन किया गया। प्रत्येक शिकायत की विस्तृत जांच के बाद संबंधित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को तत्काल निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। फरियादियों ने इस जनसुनवाई की सराहना की और उम्मीद जताई कि उनकी लंबित शिकायतों का समयबद्ध समाधान हो सकेगा। एक फरियादी ने बताया कि पहली बार उनकी बात इतनी गंभीरता से सुनी गई और एसपी ने खुद हर प्रार्थना पत्र पढ़कर तुरंत निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनसुनवाई आमजन का पुलिस पर विश्वास बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहें, लोगों की समस्याओं का तुरंत संज्ञान लें और उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। किसी भी शिकायत की तत्काल रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, पशु चोरी, साइबर फ्रॉड, पारिवारिक झगड़े और थाना स्तर पर लंबित मामले शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि इन सभी मामलों को प्राथमिकता सूची में रखा गया है जनसुनवाई को पुलिस विभाग की जनसेवा और पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इसे सराहनीय पहल बताया और भविष्य में ऐसी जनसुनवाइयां नियमित रूप से आयोजित होने की उम्मीद जताई। पुलिस प्रशासन का मानना है कि ऐसी पहल से आमजन की समस्याओं का समाधान होने के साथ-साथ पुलिस की छवि भी सकारात्मक बनती है। कौशाम्बी पुलिस इस दिशा में लगातार प्रयासरत है।

नातिन से प्रेम विवाह के बाद ऐंठ कर चलता था, इसलिए पीटकर मार डाला

कौशाम्बी। करारी इलाके के छोटा अड़हरा में हुए सनसनीखेज भारत यादव हत्याकांड के मुख्य आरोपी को पुलिस ने सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया। जेल भेजने से पहले उससे पूछताछ की गई। एसपी सत्यनारायण प्रतापत के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद मुख्य हत्याभियुक्त अशोक कुमार पांडेय से घंटे भर तक पूछताछ की गई। इस दौरान वह तनिक भी झिझका नहीं। सीधे तौर पर अपना जुर्म कुबूल कर लिया। बताया कि भारत यादव वर्ष 2019 में उसकी नातिन (बेटी की बेटी) को लेकर भाग गया था। बाद में शादी भी कर ली थी। यह पूरे परिवार के लिए शर्मिंदगी का विषय था। गांव वाले इसी बात को लेकर ताना दिया करते थे।

तानों की वजह से सिर उठाकर चलना दूभर हो गया था। उधर, भारत यादव जब भी सामने पड़ता था तो ऐंठ कर चलता था। उसकी ऐंठन बर्दाश्त के बाहर थी। इसी वजह से मौका पाकर बेटों के साथ मिलकर उसे मौत की नींद सुला दिया। चालान के बाद कचहरी पहुंचने और जेल जाते वक्त भी उसके चेहरे पर सिकन नहीं थी। मीडिया के सवालों पर उसने कहा भी कि घुट-घुटकर जीने से बेहतर सिर उठाकर जिया जाएगा।फरार आरोपियों पर इनाम घोषितमंझनपुर। करारी थाना क्षेत्र के छोटा अड़हरा निवासी 28 वर्षीय भारत पुत्र छोटेलाल की रविवार रात गांव में ही कुल्हाड़ी और डंडे से पीटकर हत्या कर दी गई थी। मामले में मृतक के पिता की तहरीर पर मोहल्ले में रहने वाले अशोक कुमार पांडेय, उसके दो बेटे आकाश पांडेय और अंकित पांडेय के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। मुख्य आरोपी अशोक कुमार पांडेय को गिरफ्तार कर लिया गया। हत्यारोपी उसके दोनों बेटे फरार हैं। एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने उनकी गिरफ्तारी के लिए डीएसपी मंझनपुर शिवांक सिंह की अगुवाई में तीन टीमों का गठन किया है। आरोपियों पर पांच-पांच हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। पुलिस टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। एसपी का कहना है कि जल्द ही फरार अभियुक्तों को भी गिरफ्तार कराया जाएगा। पकड़े गए आरोपी के पास से आला कत्ल (बांस का डंडा) बरामद किया गया है।

न्याय की राह आसान बनाने को अधिकार मित्रों का क्लस्टर प्रशिक्षण कौशाम्बी में संपन्न

कौशाम्बी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में सम्राट उदयन सभागार, कलेक्ट्रेट में पाँच जनपदों कौशाम्बी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, बांदा एवं चित्रकूट के पराविधिक स्वयंसेवकों (अधिकार मित्रों) का क्लस्टर आधारित 'संवर्धन' के द्वितीय चरण का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष जे.पी. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

ज्ञात हो कि इस अवसर पर प्रत्येक जनपद के दो-दो सर्वश्रेष्ठ पराविधिक स्वयंसेवकों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिसमें कौशाम्बी से ममता दिवाकर एवं अमरदीप दिवाकर को सम्मान मिला। प्रशिक्षण में कानूनी साक्षरता, मौलिक अधिकार, बाल कल्याणकारी योजनाएँ, यौन शोषण, अम्ल हमला पीड़ितों के लिए योजनाएँ, महिला सुरक्षा कानून, किशोर न्याय अधिनियम एवं वैकल्पिक विवाद समाधान जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जनपद न्यायाधीश ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण का उद्देश्य पराविधिक स्वयंसेवकों को कानूनी सेवाओं के प्रति और अधिक जागरूक एवं संवेदनशील बनाना है, ताकि वे आमजन और न्याय के बीच सेतु की भूमिका प्रभावी ढंग से निभा सकें।

जिलाधिकारी ने सैनी में भूमि विवाद कैंप में मौके पर कराया 8 शिकायतों का निस्तारण

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने 'टॉप-10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान' अभियान के अंतर्गत तहसील सिराथू की ग्राम सैनी में आयोजित कैंप में भूमि विवादों की स्थिति का स्थलीय सत्यापन किया। कैंप में कुल 8 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर ही निस्तारण किया गया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी योगेश कुमार गौड़ एवं क्षेत्राधिकारी सत्येन्द्र तिवारी को मौके पर समस्याएँ निस्तारित करने के निर्देश दिए। प्राथमिक विद्यालय सैनी के पास 17 बिस्वा ग्राम समाज की भूमि को खेल के मैदान के रूप में अभिलेखों में तत्काल दुरुस्त कर चिन्हांकन कराया गया। पूर्व प्रधान द्वारा पंचायत भवन के एक कक्ष पर किए गए अतिक्रमण को मुक्त कराने के निर्देश जिला पंचायतराज अधिकारी को दिए गए। सार्वजनिक मार्ग पर अतिक्रमण हटाने एवं इंटरलॉकिंग कार्य पूर्ण कराने हेतु उप जिलाधिकारी, उपायुक्त मनरेगा मनोज वर्मा तथा खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त शाखाओं के कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा की गई

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में समस्त शाखा प्रभारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान विभिन्न शाखाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

समीक्षा के क्रम में पुलिस अधीक्षक महोदय ने अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता देते हुए लंबित विवेचनाओं के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया। साथ ही महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करने, मिशन शक्ति अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक शाखा अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण पारदर्शिता, सजगता एवं उत्तरदायित्व के साथ करे। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

बैठक के दौरान कार्यालयी कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं जनोन्मुखी बनाने हेतु आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। अंत में पुलिस अधीक्षक महोदय ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाए रखने के लिए निर्देशित किया किया।

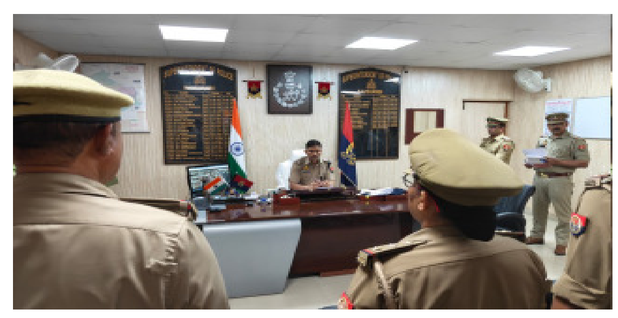

हरचंद्रपुर के अंगद का पुरवा में प्रहलाद सिंह ने किया जगन्नाथ का भात

भगवान जगन्नाथ जी के ब्रम्हभोज से सनातन धर्म होता है मजबूत : लव सिंह गहलौत

शौर्य भारत संवाददाता

प्रतापगढ़। चारों धाम की यात्रा करने के उपरांत संत श्री प्रहलाद सिंह राठौर निवासी अंगद का पुरवा हरचंद्रपुर रायबरेली अपने निज ग्राम सभा में भगवान जगन्नाथ जी का ब्रम्हभोज किया और लोगों को महाप्रसाद का पान कराया। 20 अप्रैल को ब्रम्हभोज से पूर्व 12 अप्रैल 2026 से भागवत कथा का स्वयं परिवार वा क्षेत्र के लोगों के साथ संत प्रहलाद सिंह राठौर ने श्रवण पान किया। भागवत कथा का सम्मान 18 अप्रैल को हुआ।

20 अप्रैल को ब्रम्हभोज में पहुंचे भारतीय क्षत्रिय कल्याण संस्था के राष्ट्रीय महामंत्री संस्थापक एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष लव सिंह गहलौत एडवोकेट ने उपस्थिति लोगों से कहा कि जो व्यक्ति भगवान जगन्नाथ जी का या किसी भी देवी देवता का भंडारा या कोई भी धार्मिक अनुष्ठान करता है तो वह निश्चित रूप से सनातन धर्म और संस्कृति को मजबूत करने वा आगे बढ़ाने का कार्य करता है।सभी हिन्दुओं को अपने सनातन धर्म और संस्कृति के विषय में जानकारी अवश्य रखनी चाहिए। राष्ट्रीय महामंत्री ने रायबरेली जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राठौर को एवं अन्य पदाधिकारियों को संस्था का परिचय पत्र पहनाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डाक्टर चंद्रभान सिंह कछवाह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव सिंह राठौर, वरिष्ठ पदाधिकारी इंद्राज सिंह गहलौत, जिला संगठन मंत्री मुन्ना सिंह वत्स, शिवचरण सिंह, नरेंद्र सिंह परमार, आदि लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कार्यक्रम संयोजक भारतीय क्षत्रिय कल्याण संस्था के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री श्री अमरजीत सिंह राठौर, समरजीत सिंह राठौर, कमलजीत सिंह राठौर एवं परिवार के अन्य सभी लोगों ने सभी आगंतुकों को प्रेम भाव से महाप्रसाद को पान कराया और आभार व्यक्त किया। रायबरेली जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राठौर ने संस्था के राष्ट्रीय महामंत्री लव सिंह गहलौत और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का रास्ते में भव्य स्वागत किया।

भांगडा और गतका ने दर्शकों में भरा रोमांच बैशाखी महोत्स का हुआ रंगारंग समापन

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। पिछले सात दिनों से चल रही बैशाखी की रौनक मंगलवार को अपने चरम पर पहुँचकर संपन्न हुई। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं चंडीगढ़ संगीत नाटक अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय 'बैसाखी महोत्सव' के समापन समारोह में पंजाब की सतरंगी संस्कृति के ऐसे रंग बिखरे कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे। ढोल की थाप, गूँजते लोकगीत और कलाकारों के अदम्य उत्साह ने मिनी पंजाब से दर्शकों को रूबरू कराया।

कार्यक्रम की शुरुआत गुरप्रीत प्लाहा एवं दल द्वारा प्रस्तुत 'लुड्डी' नृत्य से हुई। 'वे मैं लुड्डी पई पावदी' और 'कुडि ये लच्चे वाले' जैसे गीतों पर कलाकारों की नज़ाकत भरी अदाओं ने दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद मेजर सिंह एवं दल ने पंजाब की शान 'भांगड़ा' पेश कर दर्शकों में ऊर्जा और जोश भर दिया, जबकि यूनिवर्सल आर्ट एंड कल्चर वेलफेयर सोसाइटी द्वारा प्रस्तुत 'मलवई गिद्दा' ने पंजाब की सोंधी खुशबू बिखेरी।

गतका का रोमांच - राष्ट्रपति अवॉर्डी गुरप्रीत सिंह एवं दल ने जब तलवार, अकलदान, जाल और भाले जैसे पुरातन शस्त्रों के साथ युद्ध कला का प्रदर्शन किया, तो रोमांच से दर्शकों की सांसें थम गईं।

पारंपरिक वेशभूषा ने जीता दिल- समापन संध्या पर कलाकारों पारंपरिक वेशभूषा आकर्षण का केंद्र रहा। भांगड़ा कलाकारों द्वारा पहनी गई चमकदार रेशमी फुम्मन वाली पगड़ियां, गोटेदार बास्कट और झिलमिलाते लूंगी-कुर्ते मंच की रोशनी में जगमगा रहे थे। वहीं, महिला कलाकारों ने भारी कढ़ाई वाले फुलकारी दुपट्टे, गोटा-पट्टी से सजे पटियाला सूट और पारंपरिक आभूषणों के साथ पंजाब की संस्कृति की झलक पेश की। गतका दल के वीर योद्धा अपने पारंपरिक नीली और केसरिया बाने (पोशाक) में बेहद प्रभावशाली नज़र आ रहे थे।

धोखाधड़ी मामले में आरोपी की अग्रिम जमानत मंजूर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साइबर अपराध के मामले में आरोपी मनीष पांडेय को राहत देते हुए उसकी अग्रिम जमानत अर्जी स्वीकार कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने मनीष पांडेय के अधिवक्ता विभु राय व धनंजय राय और सरकारी वकील को सुनने के बाद दिया।प्रयागराज के साइबर क्राइम थाने में मनीष पांडेय पर बीएनएस की धारा 318(4), 3(5) और आईटी एक्ट की धारा 66(डी) के तहत धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि मनीष पांडेय की प्रोपराइटरशिप वाली फर्म प्रिमोज़ हेल्थ केयर के बैंक खाते में छह मई 2024 को नौ संदिग्ध लेनदेन हुए थे।याची की ओर से अधिवक्ता द्वय ने कोर्ट को बताया कि ये सभी नौ लेनदेन केवल एक ही दिन में हुए थे। इसके पहले या बाद में कोई संदिग्ध ट्रांजेक्शन नहीं हुआ। जैसे ही मनीष पांडेय को इन संदिग्ध लेनदेन का पता चला, उन्होंने अगले ही दिन यानी अपने बैंक को इस बारे में सूचित कर दिया था। उन्होंने कहा कि एफआईआर घटनाओं के लगभग दो साल बाद दर्ज की गई है और याची जांच में पूरा सहयोग कर रहा है।सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपराध की प्रकृति और परिस्थितियों को देखते हुए सुशीला अग्रवाल बनाम राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए शर्तों के साथ मनीष पांडेय की अग्रिम जमानत मंजूर कर ली। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शर्तों में से किसी का भी उल्लंघन होता है, तो याची की अग्रिम जमानत रद्द की जा सकती है।

कलश यात्रा से श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

शोभायात्रा में महिलाओं व भक्तों की उमड़ी भीड़ लगे राधे-राधे के जयकारे

शौर्य भारत संवाददाता

महुआर। आज कलश यात्रा से शुभारंभ हुआ। सुबह 10:00 बजे से ही सैकड़ो महिलाओं ने कलश सर पर धारण कर भजन गीत गाते हुए चल रही थी। जब परम पूज्य अमित कृष्ण शास्त्री जी महाराज वृंदावन के नेतृत्व में यात्रा निकली पूरा महुआर भक्तिमय हो गया। कलश यात्रा शंकर भगवान के मंदिर से चलकर मां काली के मंदिर से होते हुए भगवान भोले नाथ के मंदिर से पुनः कथा स्थल पर पहुंचकर विश्राम हुई। कलश यात्रा में महिला एवं हनुमान भक्त राधे राधे के जयकरें लगाते हुए चल रहे थे। परम पूज्य महाराज का कथा आयोजक गिरिजा शंकर पांडे ने पट्टीका व माल्यार्पण कर स्वागत किया। प्रतिदिन शाम को 3:00 बजे से 7:00 तक कथा महाराज जी के मुखारविंदू से श्रवण करने का सौभाग्य भक्तों को मिलेगा। कथा 21 अप्रैल से 27 अप्रैल तक चलेगी।

अमित कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने सभी अनुरोध किया है अपनी कृपा भक्तों पर बनाए रखते हैं और सारे जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं। यश वैभव प्राप्त कर प्राणी स्वर्ग लोक को प्राप्त होता है। कथा आयोजक गिरजा शंकर पांडे सोनू महाराज, शनि महाराज, सुमित महाराज, राम अजोर तिवारी अजब तिवारी आदि सैकड़ो की संख्या में मातृशक्ति एवं हनुमान भक्त शोभायात्रा में शामिल हुए।

मेहनत और लगन से मिलती हैं सफलता-ओम प्रकाश मिश्र

शौर्य भारत संवाददाता

प्रतापगढ़। सचिवालय में समीक्षा अधिकारी के पद पर चयनित होने पर प्रिया पांडेय के घर महुआएं पहुंचकर मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं देते हुए प्रिया पांडेय के मामा ओम प्रकाश मिश्र ने कहा कि सच्ची मेहनत और लगन से कोई भी सफल हो सकता है।अपने लक्ष्य को पाने के लिए व्यक्ति को हिम्मत और सच्चे इरादे की जरूरत होती है।सच्ची मेहनत और मार्गदर्शन व्यक्ति के जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण गुण हैं।मेहनत केवल शारीरिक परिश्रम ही नहीं, बल्कि मानसिक तैयारी और लक्ष्य के प्रति समर्पण होना चाहिए।जब एक व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति मेहनत करता है, तो वह अपने कौशल और ज्ञान को निखारता है, यह प्रक्रिया व्यक्ति की आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है। जिससे वह अपने लक्ष्यों की ओर और अधिक प्रेरित होता है।उच्च प्रशासनिक सेवा में सफल होने की मंगलकामना करते हुए ओम प्रकाश मिश्र ने कहा कि लगन और मेहनत से किसी भी ऊंचाई को आसानी से छुआ जा सकता है। प्रिया बचपन से ही मेधावी और कुशाग्र बुद्धि की है।गौरतलब है कि प्रिया की शिक्षा दीक्षा ग्रामीण परिवेश में ही हुआ है उनके पिता सुरेन्द्र पांडेय गोरखपुर जनपद के इंटर कॉलेज में अध्यापक हैं और माता गृहिणी हैं।

अमर ज्वाला भारत गैस गोदाम पर उपभोक्ता गोष्ठी संपन्न

समयबद्ध सिलेंडर वितरण व सुरक्षा पर दिया जोर

शौर्य भारत संवाददाता

थरवई। क्षेत्र के जगदीशपुर पूरे चंदा चकठाकुर राम स्थित अमर ज्वाला भारत गैस गोदाम पर मंगलवार को उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखकरजागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गैस उपभोक्ताओं ने भाग लेकर अपनी जिज्ञासाएं रखीं और वितरण व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की।गोष्ठी को संबोधित करते हुए एजेंसी की प्रोपराइटर नीलम पांडेय ने कहा कि सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप गैस वितरण पूरी पारदर्शिता, सुरक्षा और समयबद्धता के साथ किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए एजेंसी स्तर पर सतत निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि समय से बुकिंग कराने वाले उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है।

नीलम पांडेय ने उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी कनेक्शन धारक अपना केवाईसी जरूर कराए एजेंसी से 18 000 गैस उपभोक्ता है करीब दो हजार उपभोक्ताओं ने अभी तक अपना ई केवाईसी नहीं कराया हैं ऐसे सभीगैस उपभोक्ता अपने रजस्टिर्ड मोबाइल से ही केवाईसी का कार्य पूरा कर ले न होने की दशा में गैस गोदाम है या एजेंसी से संपर्क कर अपना अपना केवाईसी अवश्य कराए साथ ही अनावश्यक गैस का भंडारण न करें और अपनी वास्तविक जरूरत के अनुसार ही सिलेंडर बुक कराएं, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समान रूप से और समय पर गैस उपलब्ध हो सके। उन्होंने गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग पर विशेष बल देते हुए रिसाव की स्थिति में सावधानी बरतने, समय-समय पर पाइप व रेगुलेटर की जांच कराने और सतर्क रहने की सलाह दी।इस दौरान उपभोक्ताओं को गैस सुरक्षा मानकों, वितरण प्रक्रिया, बुकिंग प्रणाली तथा उपभोक्ता अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें बताया गया कि किसी भी प्रकार की शिकायत या समस्या होने पर एजेंसी से तुरंत संपर्क करें, जिससे समय रहते समाधान किया जा सके।

सम्पादकीय

रफ्तार पर भारी पड़ती मौत की राह

इसमें दोराय नहीं कि देश के विकास के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार बेहद जरूरी होता है। आम लोगों के लिए जीवनरेखा मानी जाने वाली सड़कों का निर्माण भी इसी श्रेणी में आता है। देश में पिछले कुछ वर्षों में नई सड़कें बनाने की गति निश्चित रूप से तेज हुई है, लेकिन इसके साथ ही हादसों का सिलसिला भी बदस्तूर जारी है। विशेषकर उच्च तकनीक की मदद से तैयार किए जा रहे एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग चमकदार एवं सुविधाजनक जरूर दिखते हैं, मगर ये सुरक्षित सफर की कसौटी पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं।

देश में सड़कों की कुल लंबाई का केवल दो फीसदी राष्ट्रीय राजमार्ग है, लेकिन सड़क हादसों में होने वाली मौत की कुल संख्या में इनकी हिस्सेदारी करीब तीस फीसदी तक पहुंच गई है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर गंभीर चिंता जताते हुए केंद्र, राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों को सड़क सुरक्षा मजबूत करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि प्रशासनिक सुस्ती या बुनियादी ढांचे की कमियों के कारण एक्सप्रेस-वे खतरे का गलियारा नहीं बनने चाहिए।

गौरतलब है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के सरकार के दावों के बावजूद इनमें साल दर साल बढ़ोतरी हो रही है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2019 में देश में 4.56 लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें लगभग 1.59 लाख लोगों की मौत हो गई। वर्ष 2020 के कोरोनाकाल में पूर्णबंदी के कारण सड़क हादसों में कुछ कमी आई, लेकिन उसके बाद वर्ष 2021 में करीब 4.2 लाख, 2022 में 4.61 लाख और 2023 में 4.80 लाख दुर्घटनाएं हुईं। यानी पांच वर्षों में 21 लाख से ज्यादा सड़क हादसों में करीब आठ लाख लोगों की मौत हो गई।

यह आंकड़ा वास्तव में चिंताजनक है, लेकिन इसमें कमी लाने के प्रयास सरकारी कागजों से बाहर निकलकर धरातल पर प्रभावी रूप से अमल में आते नजर नहीं आ रहे हैं। सड़कों पर जिन खतरों को टाला जा सकता है, अगर उनकी वजह से लोगों की जान जाती है, तो यह स्पष्ट रूप से नागरिकों की सुरक्षा में व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है।

हाल के दिनों में यह देखा गया है कि सड़क पर अवैध रूप से वाहन खड़ा करना दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भोजनालयों की बढ़ती संख्या भी इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है, जहां वाहनों को सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़ा कर दिया जाता है। संबंधित महकमे की ओर से ऐसे भोजनालयों को जोखिम का आकलन किए बिना ही अनुमति दे दी जाती है। इसी के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय ने अपने दिशा-निर्देशों में कहा है कि संबंधित प्राधिकरण और नियामकीय एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित स्थलों को छोड़कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों को कहीं भी खड़ा या रोका नहीं जाएगा।

नियमानुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात पुलिस की नियमित गश्त का प्रावधान है, लेकिन इसमें भी विभिन्न स्तरों पर लापरवाही साफ दिखती आती है। इसके अलावा, राजमार्गों पर वाहनों की तेज गति, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामी और संकेतकों का अभाव एवं अस्पष्टता भी दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। इन व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली का इस्तेमाल भी कम ही नजर आता है। मगर अब शीर्ष अदालत के निर्देशों से उम्मीद जगी है कि देश भर में यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और सड़क हादसों में भी कमी आएगी।

सियासत में उलझी महिला भागीदारी, भंवर में 'नारी शक्ति'

भारतीय स्त्री का बिंब जो जीवन के यथार्थ से लेकर साहित्य में चित्रित होता रहा है, उसमें शक्ति के पूजन से लेकर मुक्तिवाहिनी तक की तस्वीर उभरती है। बदलते भारत में महिला, उसकी योग्यता और शक्ति एक बिल्कुल अलग वजूद रखती है, मगर उसे पुरुष वर्चस्ववादी समाज में आज भी समान अधिकार के साथ जगह नहीं मिल पाई है। महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में अपने आप को सिद्ध किया है, फिर भी पूर्वाग्रह से ग्रसित दृष्टि उन्हें पुरुषों के बराबर खड़ा होने में कई तरह की रुकावटें पैदा करती है। महिलाओं के अपहरण, बलात्कार और घरेलू हिंसा की घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं।

विभिन्न सर्वेक्षणों से पता चलता है कि अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों से गायब होने वाले बच्चों में लड़कों के बजाय लड़कियों की संख्या अधिक है, क्योंकि बाद में उन्हें देह व्यापार में धकेल दिया जाता है। देश में हाल के वर्षों में स्त्री को उसका हक देने की बातें विभिन्न स्तरों पर जोर-शोर से की जा रही हैं। कहा जाता है कि महिलाओं ने शिक्षा के क्षेत्र से लेकर खेल के मैदान और प्रशासनिक व्यवस्था में अपनी योग्यता का लोहा मनवाया है, इसके बावजूद अधिकारों के मामले में ये आज भी पिछड़ी हुई हैं। प्रशस्ति और उपेक्षा का यह एक अजब संगम कई सवाल खड़े करता है।

हाल ही में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया गया। इस विधेयक में विधायिका में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण और परिसीमन के जरिए लोकसभा में सदस्यों की संख्या बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। मगर इस विधेयक को सदन का जरूरी दो तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने से यह पारित नहीं हो पाया। इसके लिए अब सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, लेकिन असल में हुआ वही, जो पहले से होता आया है।

महिलाओं को विधायिका में आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम वर्ष 2023 में संसद में पारित किया गया था, तब से लेकर वह लागू होने की बाट जोह रहा था। यानी राजनीति में महिलाओं को उचित भागीदारी देने का अधिकार खुद सियासत में ही उलझकर रह गया है। जब संसद में पहली बार यह विधेयक पेश किया गया था, तो इसे एक ऐसा असाधारण और प्रगतिशील कदम माना जा रहा था, जिसके जरिए सदियों से की जा रही महिलाओं की उपेक्षा को खत्म करने की राह खुल जाती। हालांकि तब यह विधेयक संसद में पारित भी हो गया, लेकिन अब करीब तीन वर्ष बाद इसे संशोधित रूप में पेश किया गया, जिसका हासिल शून्य रहा।

सत्तापक्ष की ओर से कहा जा रहा है कि अगर नई जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन आयोग की रपट का इंतजार किया जाता, तो वर्ष 2029 में अगले लोकसभा चुनाव में महिलाओं के लिए तैंतीस फीसदी आरक्षण का प्रावधान लागू कर पाना संभव नहीं था, इसलिए सरकार की ओर से संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 लाया गया। मगर विपक्ष के अपने सवाल और आपत्तियां हैं, जिन पर आगे भी बहस जारी रहेगी। लेकिन असल मुद्दा यह है कि वर्तमान में देश के कुल मतदाताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग आधी है और इस लिहाज से जब तक विधायिका में उनकी भागीदारी नहीं बढ़ाई जाती है, तब तक राष्ट्र के समावेशी विकास का संकल्प भी अधूरा ही रहेगा।

यह भारतीय राजनीतिक की एक अजब विसंगति रही है कि स्थानीय निकायों के चुनावों में तो महिलाओं को आरक्षण का अधिकार वर्षों पहले मिल गया था, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका यह हक आज भी सियासत के दांवपेच में फंसा हुआ है, जिस कारण देश की राजनीति में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है।

यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि क्या महिलाओं के लिए सिर्फ विधायिका और स्थानीय निकायों में आरक्षण का प्रावधान किए जाने से राष्ट्र के निर्माण में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित हो पाएगी? क्या शिक्षा एवं स्वास्थ्य से लेकर प्रशासनिक ढांचे तक में महिलाओं के लिए पर्याप्त अवसर सृजित किए जाने की जरूरत नहीं है? उच्च शिक्षा के मामले में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की औसत दर आज भी बहुत कम है। इसी तरह सरकारी महकमों में भी महिला कर्मियों की संख्या पुरुषों की तुलना में बेहद कम है। विभिन्न सर्वेक्षणों और अध्ययनों से पता चलता है कि महिलाओं के काम करने के अवसरों में अपेक्षाकृत वृद्धि नहीं हुई है। कोरोनाकाल के दौरान नौकरी छिन जाने पर शहरों से गांवों की ओर लौटे पुरुषों को तो पुनः नौकरियां देने का अभियान चलाया गया, लेकिन महिलाएं इस मामले में भी पीछे रह गईं।

यह भी सच है कि घर के कामकाज से लेकर खेती में अहम भूमिका निभाने वाली महिलाओं के श्रम की कहीं गिनती ही नहीं हो पाती है। शहरों में लघु एवं कुटीर उद्योगों से लेकर बड़े उद्योगों में काम करने वाली महिलाओं को आज भी पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और उन्हें अहम जिम्मेदारियों का काम देने से भी परहेज किया जाता है। इस तरह के पक्षपात को क्या महिलाओं के लिए अवसर के रूप में देखा जा सकता है। यहां तक कि सेना में भी नारी शक्ति को कम करके आंका जाता रहा है और उनके लिए स्थायी कमीशन से लेकर पदोन्नति के रास्ते भी अब जाकर खुले हैं। नारी शक्ति अगर यह मांग करती है कि युद्ध के अग्रिम दस्तों में उनके बल का इस्तेमाल भी उसी तरह होना चाहिए जैसे पुरुषों का होता है, तो इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

हालांकि, इसमें दोराय नहीं कि अगर स्थानीय निकायों की तर्ज पर विधायिका में भी महिलाओं को तैंतीस फीसदी आरक्षण की व्यवस्था लागू हो जाती है, तो यह महिला समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। मगर, यह तभी संभव होगा, जब सभी दल अपनी राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर समाज के समावेशी उत्थान के लिए काम करेंगे। इससे महिलाओं में न केवल बढ़चढ़ कर मतदान करने का उत्साह पैदा होगा, बल्कि देश की विधानसभाओं और संसद में भी ये अपनी योग्यता और कौशल का योगदान दे सकेंगी।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो, राज्य या केंद्रीय मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी नाममात्र की है। मगर, जब महिलाएं अपने लिए आरक्षित सीटों पर चयनित होकर आगे आएंगी, तो अवश्य ही देश की राजनीति का चेहरा बदलेगा। अभी महिलाओं से जुड़े कई ऐसे मसले हैं, जिन्हें संसद और विधानसभाओं में आवाज ही नहीं मिल पाती है, और अगर कोई मसला उठाया भी जाता है, तो महिला प्रतिनिधियों की संख्या कम होने की वजह से वह शोर-शराबे में दब जाता है। इसलिए जरूरी है कि राजनीति के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण के अन्य कार्यों में भी महिलाओं की उचित भागीदारी को प्राथमिकता दी जाए, ताकि उन्हें ये अधिकार मिल सकें, जिसकी वे हकदार हैं। सिर्फ घोषणाओं और नारों से महिला सशक्तीकरण नहीं होगा, बल्कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए उन्हें पूरी तरह लागू करने की हर मोर्चे पर इच्छाशक्ति दिखानी होगी।

मरम्मत की संस्कृति बनाम बदलाव की अंधी दौड़

आम तौर पर हमारी सामान्य स्मृतियों में पंसारी, चाय और कपड़े की दुकानों के साथ कुछ हल्की-मध्यम रोशनी में डूबी, पुरानी तारों, मोटरों, टीवी और फ्रिज के खुले-बिखरे पुर्जों से भरी किसी मैकेनिक की छोटी-सी दुकान के दृश्य भी कहीं बसे हुए हैं। दीवार पर टंगी कुछ फीकी पड़ चुकी तस्वीरें, औजारों से भरा एक बक्सा, और कहीं कोने में बजता हुआ कोई पुराना रेडियो और अपनी किसी बिगड़ी हुई चीज के ठीक होने के इंतजार में वहां बैठकर ऊबता हुआ कोई ग्राहक, मानो समय वहां ठहरकर बैठ गया हो।

एक समय था जब रोजमर्रा की जरूरतों में गली में इन दुकानों का होना उतना ही स्वाभाविक था, जितना घर में एक पंखे या घड़ी का होना। रात-बिरात बिगड़े हुए पंखे या अचानक बंद हो गए टीवी के लिए उस व्यक्ति को ढूंढ लिया जाता था, जिसे इस्त्री, रेडियो से लेकर हर दूसरी चीज को ठीक करने का हुनर आता था। बिगड़ी हुई चीजों को उस व्यक्ति के पास ले जाने में एक अजीब-सी निश्चितता होती थी कि इन्हें ठीक किया जा सकता है। जोड़-तोड़ और सुधार की प्रवृत्ति लंबे समय से यहां की संस्कृति का हिस्सा रही है।

आज के समय में यह दृश्य तेजी से बदलता हुआ दिखाई देता है। कपड़ों, उपकरणों और दैनिक उपयोग की चीजों की बहुलता से चमचमाते बाजारों में किसी वस्तु के बिगड़ने पर पहला विचार उसे ठीक कराने का नहीं, बल्कि उसे बदल देने का आता है, एक चीज के रहते हुए उसके बाद, उसकी जगह लिए जाने वाले सामान की कल्पना पहले ही कर ली जाती है। लगातार नए रुझानों के बीच, जो कपड़े कुछ समय पहले तक सामान्य उपयोग में थे, वे बहुत जल्दी ही पुराने और अप्रासंगिक मान लिए जाते हैं।

परिणामस्वरूप, बड़े पैमाने पर ये कचरे के ढेरों और 'लैंडफिल' यानी कचरापट्टी क्षेत्र में पहुंचते हैं। यह बदलाव केवल सुविधा का परिणाम नहीं है। निस्संदेह, तकनीकी विकास ने ऐसी स्थितियां निर्मित की हैं, जहां नई चीज या नई वस्तु प्राप्त करना पहले की तुलना में अधिक आसान हो गया है। मगर यह भी उतना ही सत्य है कि इस सहजता ने हमारे निर्णय लेने के तरीकों को बदल दिया है। जो चीज कुछ समय और ध्यान देकर सुधारी जा सकती थी, अब वे उतने धैर्य की मांग करती हुई प्रतीत होती हैं, जितना हम देना नहीं चाहते।

असुविधा या असंतोष की स्थिति में ठहरकर समाधान खोजने के बजाय उससे बाहर निकलने की प्रवृत्ति अधिक सहज लगने लगी है। विकल्पों की उपलब्धता ने इसे और अधिक आसान बना दिया है। यही प्रवृत्ति धीरे-धीरे निजी जीवन और संबंधों में भी दिखाई देने लगी है। किसी असहमति या असुविधा की स्थिति में ठहरकर उसे समझने के बजाय रिश्ते से बाहर निकलना और छोड़ना या बदल देना अधिक सहज प्रतीत होने लगा है।

किसी भी संबंध में थोड़ी-सी संघर्ष की प्रक्रिया, कुछ ठहराव और समय के साथ आने वाली गहराई ही अपनापन और जुड़ाव विकसित करती है। इसके विपरीत, बार-बार बदलाव और नए संबंधों की ओर बढ़ना, भले ही क्षणिक नवीनता दे, पर भीतर कहीं एक प्रकार की रिक्तता छोड़ जाता है। ऐसे में केवल बाजार को प्रभाव उत्पन्न करने वाली शक्ति मान लेना पर्याप्त नहीं है। वह जितना समाज के व्यवहार को प्रभावित करता है, उतना ही समाज के भीतर मौजूद प्रवृत्तियों से संचालित भी होता है। इसलिए बदलती आदतों और बढ़ती प्रतिस्थापन-प्रवृत्ति के पीछे केवल बाजार नहीं, बल्कि समाज की स्वीकृति और उसकी अंतर्निहित प्रवृत्तियां भी शामिल हैं।

सूक्ष्मता से अवलोकन किया जाए तो इस संपूर्ण द्वंद्व के केंद्र में केवल मनुष्य ही खड़ा है। भौतिक वस्तुओं और बुनियादी जरूरतों को तुरंत बदल देने की जो प्रवृत्ति फैली है, अब वह धीरे-धीरे व्यक्तिगत संबंधों के गहरे दायरे में भी प्रवेश कर चुकी है। तात्कालिक संतुष्टि की यह अंधी दौड़ केवल वस्तुओं तक सीमित न रहकर मनुष्य की आंतरिक शांति को भी लील रही है। यह कह पाना बहुत कठिन है कि प्रतिस्थापन की यह प्रवृत्ति भविष्य में जीवन के और किन-किन पहलुओं में घुसपैठ करेगी और पहले से ही संकट झेल रही प्रकृति तथा मानवीय अस्तित्व को और कितना नष्ट करेगी।

विडंबना यह है कि आज वही मनुष्य इस पूरे द्वंद्व के बीच संघर्ष कर रहा है, जिसे जीवित रहने के लिए आत्मीयता, प्रेम और शांति की अनिवार्य आवश्यकता है। यह समझे जाने की बहुत जरूरत है कि स्वयं मनुष्य भी बदलाव की इस अंधी प्रवृत्ति के साथ अधिक समय तक स्वस्थ नहीं रह सकता। निरंतर और अकारण बदलाव की इस उत्कंठा के साथ जीवन का निर्वाह हमेशा के लिए संभव नहीं है।

जीवन के इन बुनियादी तत्वों को समझने की अक्षमता के कारण ही आज असंख्य लोग मानसिक अशांति और असुरक्षा की ओर बढ़ रहे हैं। यह बड़ी भूल है कि आज मानव ने निरंतर नवीनता की ओर बढ़ते जाने की कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया को विकास का पर्याय मान लिया है, जो व्यक्ति, समाज और प्रकृति तीनों के समन्वय को भीतर से खोखला करता जा रहा है। इसके विपरीत मानव जीवन की वास्तविक सफलता निरंतर नवीनता को प्राप्त कर लेने की अपेक्षा इसमें अधिक है कि वह जीवन में अपने भीतर किस स्तर तक ठहराव, धैर्य और सह-अस्तित्व विकसित कर पाता है।

होर्मुज की उथल-पुथल के बीच अचानक मोदी से मिले कोरियाई राष्ट्रपति, चीन की उल्टी गिनती शुरू?

चीन ने भारत के खिलाफ अग्रेसिव रुख लेते हुए भारत के अरुणाचल प्रदेश के कुछ एरियाज के नाम बदल दिए थे। उसके बाद भारत ने एक डिप्लोमेसी अपनाई थी जिसके तहत भारत ने भी चीन के कुछ एरियाज के नाम बदले थे। अमेरिका के नजदीक जैसे-जैसे भारत जाने लगा तो चीन से दूरियां हमारी बढ़ना लाजमी है। अब भारत ने चीन के अगेंस्ट एक ऐसा कदम लिया है जो कि डिप्लोमेटिकली उसे वर्ल्ड ऑर्डर में चीन से बहुत आगे रख देगा। भारत ने अपनी एक्ट ईस्ट पॉलिसी लुक ईस्ट पॉलिसी से आगे जाते हुए दक्षिण कोरिया के साथ अपने रिलेशंस को अच्छे करने के लिए दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति को भारत में इनवाइट किया। वो 19 से लेकर 21 तारीख तक तीन दिन की राष्ट्रीय विजिट पर भारत में आए हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ बेहद अहम बैठक हुई। लगभग एक दशक तक, नई दिल्ली (भारत) और सियोल (दक्षिण कोरिया) के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी ज़मीनी हकीकत से ज़्यादा कागज़ों पर ही नज़र आई। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार जारी रहा, लेकिन 2018 में दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति मून जे-इन की यात्रा के दौरान जो राजनीतिक उत्साह दिखा था, वह धीरे-धीरे फीका पड़ गया। भारत और दक्षिण कोरिया के रिश्ते कभी टूटे नहीं थे, लेकिन दोनों देशों की अपनी-अपनी तात्कालिक रणनीतिक मजबूरियों के कारण ये अक्सर पीछे छूट गए। दक्षिण कोरिया मुख्य रूप से उत्तर कोरिया के मुद्दों, अमेरिका के साथ अपने गठबंधन को संभालने और चीन पर अपनी भारी आर्थिक निर्भरता में उलझा रहा। इसके अलावा, वहाँ की बदलती घरेलू राजनीति और राष्ट्रपति के लिए केवल एक कार्यकाल वाले सिस्टम ने लंबी अवधि की रणनीतियों को बनाए रखना मुश्किल कर दिया। वहीं दूसरी ओर, भारत हिमालयी सीमा पर चीन के साथ तनाव को संभालने, पाकिस्तान से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं और अन्य बड़ी महाशक्तियों के साथ अपने कूटनीतिक एजेंडे में व्यस्त था।

नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच एक अहम द्विपक्षीय बैठक हुई। इस बातचीत के दौरान मुख्य फोकस वैश्विक स्तर पर मची उथल-पुथल–खासकर ईरान और इज़राइल-अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष–पर ही रहा। दोनों नेताओं ने इस बात पर गहराई से विचार-विमर्श किया कि युद्ध और तनाव के इस मौजूदा दौर में भारत और दक्षिण कोरिया अपने आर्थिक और रणनीतिक रिश्तों को और अधिक मज़बूत कैसे बना सकते हैं। बैठक के बाद, पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति अपनी संवेदनशीलता का संदेश देते हुए दोनों नेताओं ने मिलकर एक पौधा भी लगाया। प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से भी इस महत्वपूर्ण मुलाकात की झलकियां साझा की गई हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों का ज़िक्र करते हुए कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया के बीच हज़ारों सालों पुराना सांस्कृतिक जुड़ाव है। उन्होंने याद दिलाया कि 2000 साल पहले अयोध्या की राजकुमारी सूरीरत्ना और कोरियाई राजा किम-सुरो के बीच हुआ विवाह हमारी साझा और गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि आधुनिक दौर में भी यह जुड़ाव कायम है–जहाँ एक तरफ भारत में 'के-पॉप' और 'के-ड्रामा' की दीवानगी तेज़ी से बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर दक्षिण कोरिया के लोग भी भारतीय सिनेमा और संस्कृति को खूब पसंद कर रहे हैं।

दोनों देशों के आपसी रिश्तों में सबसे बड़ी रुकावटों में से एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) रहा है। 2009 में साइन किया गया और 2010 में लागू हुआ यह समझौता अब काफी पुराना माना जाता है। भारत अक्सर दक्षिण कोरिया के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर अपनी चिंता ज़ाहिर करता रहा है। दोनों देशों ने 2030 तक आपसी व्यापार को ऋ50 अरब तक पहुँचाने का एक बड़ा लक्ष्य तय किया है। क्या यह दौरा इस लक्ष्य को पाने के लिए ज़रूरी 'ऑक्सीजन' दे पाएगा? अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का मानना है कि इसके लिए राजनीतिक दबाव तो ज़रूरी है, लेकिन उसके बाद बारीकी से काम को अंजाम देना भी उतना ही ज़रूरी है। यह दौरा राजनीतिक दबाव तो दे सकता है, लेकिन सिर्फ़ अपने दम पर नहीं। ऊँचे स्तर के दौरे इसलिए मायने रखते हैं, क्योंकि वे निवेशकों की अनिश्चितता को कम करते हैं। सरकारी अधिकारियों की गंभीरता का संकेत देते हैं और इंडस्ट्री को सिर्फ़ बातचीत से आगे बढ़कर काम को अंजाम देने के लिए बढ़ावा देते हैं। अगर दोनों नेता इस दौरे का इस्तेमाल सीईपीए से जुड़ी रुकावटों को दूर करने, समय-सीमा तय करने और कुछ खास क्षेत्रों की पहचान करने के लिए करते हैं, तो 2030 तक ऋ50 अरब का लक्ष्य ज़्यादा भरोसेमंद हो जाता है। लेकिन असली परीक्षा यह मुख्य लक्ष्य नहीं है; असली परीक्षा यह है कि क्या दोनों पक्ष अपने व्यापारिक संबंधों को ज़्यादा संतुलित, व्यापक और कुछ चुनिंदा निर्मित वस्तुओं पर कम निर्भर बना पाते हैं।

हालाँकि, 2018 की तुलना में 2026 के हालात पूरी तरह से अलग हैं। महामारी के बाद की दुनिया और अर्थव्यवस्थाओं द्वारा जोखिम कम करने की नीतियों ने दक्षिण कोरिया को दोबारा सोचने पर मजबूर कर दिया है। एशिया अब केवल विकास की उम्मीदों पर नहीं चल रहा है। अब यह सप्लाई-चेन (आपूर्ति श्रृंखला) की असुरक्षा, समुद्री विवादों, तकनीकी होड़ और उत्पादन के लिए केवल चीन पर निर्भर न रहने के दबाव से तय हो रहा है। इसके अलावा भारत अपने बड़े बाज़ार, मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने, डिजिटल विस्तार और 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील देशों) में अपने कूटनीतिक प्रभाव के कारण इन नई रणनीतियों के बिल्कुल केंद्र में आ गया है। वहीं दक्षिण कोरिया का मौजूदा नेतृत्व भी अब अमेरिका और चीन के बाज़ारों पर अपनी पुरानी निर्भरता से आगे देख रहा है। यही कारण है कि दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली की यह ताज़ा यात्रा अब केवल प्रतीकात्मक (दिखावे की) नहीं, बल्कि एक बहुत ही महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम मानी जा रही है।

राष्ट्रपति ली के नेतृत्व में दक्षिण कोरिया दुनिया में अपनी एक नई और बड़ी पहचान बनाने की रणनीति पर तेज़ी से काम कर रहा है। इसका एक बहुत अहम हिस्सा ग्लोबल साउथ के साथ जुड़ना है। 2023 में भारत की 320 अध्यक्षता के बाद से, 'ग्लोबल साउथ' शब्द एक तरह से भारत के मज़बूत नेतृत्व की पहचान बन चुका है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार वी सुंग-राक ने हाल ही में बताया था कि उनकी इस रणनीति को आगे बढ़ाने में भारत की यात्रा एक मुख्य स्तंभ है।

विकासशील देशों के बीच अपनी कूटनीति बढ़ाने में भारत, दक्षिण कोरिया की बहुत मदद कर सकता है। भारत की विकासशील दुनिया में जो गहरी पकड़, सम्मान और राजनीतिक वैधता है, वह दक्षिण कोरिया के पास अभी उस स्तर पर नहीं है। भारत को अब केवल एक एशियाई ताकत के तौर पर नहीं देखा जाता। भारत एक ऐसा देश बन गया है जो अफ्रीका, हिंद महासागर के देशों, दक्षिण-पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिका (दक्षिण अमेरिका) के देशों के साथ सीधे जुड़ सकता है। भारत इन देशों के साथ विकास, उनकी क्षमता बढ़ाने और आज़ाद रणनीतिक सोच के मुद्दों पर उनकी ही भाषा में बात कर सकता है। दक्षिण कोरिया अब तक मुख्य रूप से अपने पुराने गठबंधनों और केवल अमीर देशों के बाज़ारों तक ही सीमित रहा है। अब जब वह अपनी कूटनीतिक और व्यापारिक पहुँच को दुनिया के अन्य हिस्सों में बढ़ाना चाहता है, तो भारत उसके लिए एक बेहद मूल्यवान और ज़रूरी साथी बन जाता है।

गैंगस्टर कार्रवाई पर बड़ा फैसला कुर्क ईंट भट्टा व वाहन बहाल

शौर्य भारत संवाददाता

सीतामढ़ी।भदोही जनपद में गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई कुर्की कार्रवाई पर जिलाधिकारी न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए ईंट भट्टा और जब्त वाहनों को बहाल करने का आदेश दिया है। यह निर्णय सोमवार को सुनाया गया, जो माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में लिया गया। इससे पहले 16 अप्रैल को दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी की गई थी।

मामला कोइरौना थाना क्षेत्र के बारीपुर निवासी रुद्रपति दूबे समेत अन्य लोगों से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, 13 मार्च को गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए फुलवरिया स्थित 'त्रिपति ईंट उद्योग' के नाम से संचालित ईंट भट्टा, जेसीबी मशीन और अन्य वाहनों को जिलाधिकारी के निर्देश पर पुलिस द्वारा कुर्क कर लिया गया था।

इस कार्रवाई के खिलाफ रुद्रपति दूबे ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की। सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने जिलाधिकारी भदोही को मामले की पुनः समीक्षा के निर्देश दिए। इसके क्रम में जिलाधिकारी न्यायालय ने पूर्व में की गई कुर्की कार्रवाई को निरस्त करते हुए संपत्तियों को बहाल करने का आदेश जारी किया।

फैसले के बाद रुद्रपति दूबे उर्फ श्रवण सहित राजबिहारी मिश्रा, दुर्गा प्रसाद पाण्डेय, बृजेश पाण्डेय, दीपक दूबे, अजय दूबे, नम्रता पाण्डेय और श्रीश त्रिपाठी ने जिलाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया।

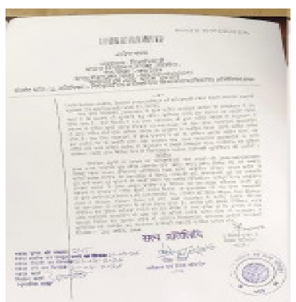

डीएम, एसपी ने अभियोजन कार्यों, एनकार्ड, कानून व्यवस्था एवं प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा बैठक

डीएम ने अभियोजन व कानून व्यवस्था संबंधी बैठक कर अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए

शौर्य भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की संयुक्त अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों, एनकार्ड, कानून व्यवस्था एवं प्रवर्तन की समीक्षा कलेक्ट्रेट सभागार में विस्तार से की गई। बैठक में डीएम ने ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी सहित समस्त सहायक अभियोजन अधिकारी व अपर शासकीय अधिवक्ता, अभियोजक को संबंधित मामलों के निष्पादन में तीव्र प्रगति लाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा की पीड़ितों को न्याय दिलाना हम सभी की जिम्मेदारी है, साथ ही एक्साइज एक्ट, पॉक्सो एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, एससी-एसटी एक्ट, हत्या, डकैती, बलात्कार, शस्त्र अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण एवं गंभीर मामलों को चिह्नित करते हुए उसके निष्पादन के लिए ससमय कार्यवाही करें। हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए कि हम न्याय समय से दिला सके। जिलाधिकारी ने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों के निष्पादन के लिए सभी संबंधित पक्षों में समन्वय का होना आवश्यक है। इसलिए जरूरी है कि सभी पक्ष आवश्यक कागजात या प्रतिवेदन की प्राप्ति के लिए ससमय संपर्क करें। डीएम ने डाटा को समय से फीड करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने एनकार्ड सहित आबकारी, खनन, परिवहन, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रवर्तन विभागों की समीक्षा बैठक में प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया।

जिलाधिकारी ने कोर्ट केस रजिस्ट्रेशन, बेल/जमानत

निस्तारण, केस डिस्पोजल, लिपिकीय आपत्तियों, अपील/रिवीजन, चार्जशीट, चार्ज फ्रेम, फाइनल आर्ग्युमेंट, गवाहों की उपस्थिति एवं परीक्षण, तथा अभियोजन स्वीकृति से संबंधित प्रकरणों की प्रगति का गहन परीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि गंभीर अपराधों–विशेषकर महिला एवं बालिका उत्पीड़न, अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार, गैंगस्टर, पोक्सो, शस्त्र अधिनियम, दहेज मृत्यु, अपहरण आदि के वादों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की जाए, जिससे अधिकाधिक प्रकरणों में राज्य सरकार के पक्ष में सजा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि न्यायालय में गवाहों की अनुपस्थिति या शिथिल पैरवी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। सभी अभियोजन अधिकारी नियमित समन्वय स्थापित कर गवाहों की समय से उपस्थिति व परीक्षण सुनिश्चित कराएं।

पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने विवेचकों को निर्देशित किया कि चार्जशीट समयबद्ध ढंग से न्यायालय में प्रेषित की जाए तथा लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण किया जाए। अभियोजन एवं पुलिस के मध्य समन्वय को और सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में न्यायालयों में लंबित वादों की संख्या, निस्तारित वादों की स्थिति तथा सजा/रिहाई के अनुपात की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक अभियोजन अधिकारी अपने-अपने न्यायालय में लंबित गंभीर प्रकरणों की सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर पैरवी करें। साथ ही अपील योग्य मामलों में समय से अपील/रिवीजन दायर करने के निर्देश दिए गए। अवैध खनन, आबकारी, शस्त्र लाइसेंस निरस्तीकरण, संपत्ति जब्तीकरण तथा जिलाबदर की कार्यवाही की भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को शासन के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया।

जनगणना-2027 की तैयारी तेज, डिजिटल प्रणाली से प्रशिक्षित हो रहे फील्ड ट्रेनर्स

शौर्य भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में प्रस्तावित जनगणना-2027 को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशन में फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम दूसरे दिन भी जारी रहा, जिसमें जनगणना कार्य को त्रुटिहीन और प्रभावी ढंग से संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रतिभागियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की शंका होने पर उसे पूरी तरह समझने तक पूछें, ताकि कार्य में कोई त्रुटि न रह जाए। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक किया जाएगा। इसके लिए मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दो बैचों में तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से होगी। एचएलओ ऐप के माध्यम से आंकड़े सीधे रियल टाइम में सर्वर पर अपलोड किए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और आंकड़ों का संकलन अधिक सटीक व तेज होगा। प्रगणकों को अपने क्षेत्र में जाकर नजरिया नक्शा तैयार करने के साथ प्रत्येक भवन, मकान एवं परिवार से संबंधित 33 बिंदुओं पर जानकारी एकत्र करनी होगी।

पहली बार नागरिकों को भी स्वगणना की सुविधा दी जा रही है, जिसके तहत 7 मई से 21 मई 2026 तक पोर्टल के माध्यम से स्वयं जानकारी दर्ज की जा सकेगी। इससे जनसहभागिता बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

जनपद के विभिन्न तहसीलों एवं नगर निकायों में अलग-अलग केंद्रों पर प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण सत्र के अंत में कार्मिकों को निष्पक्षता, गोपनीयता और पूर्ण निष्ठा के साथ दायित्व निर्वहन की शपथ दिलाई गई। प्रशासन ने विश्वास जताया कि प्रशिक्षित कार्मिक जनगणना-2027 को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम-वीवीपैट स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था पर जोर

शौर्य भारत संवाददाता

भदोही। जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट स्ट्रांग रूम का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों और उपकरणों की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान ईवीएम के रखरखाव, रजिस्टर, गेट पर लगे सील व लॉकर की जांच की गई। साथ ही ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों की पूर्व दिनों की रिकॉर्डिंग भी चेक की और फायर सेफ्टी उपकरणों की वैधता तिथि का अवलोकन किया।

उन्होंने उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण करते हुए सुरक्षाकर्मियों को निर्देशित किया कि वे पूरी जिम्मेदारी और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी निभाएं। स्पष्ट किया गया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, चकबंदी अधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी संजय श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस महानिरीक्षक द्वारा जनपद के वार्षिक निरीक्षण में पुलिस कार्यालय की शाखाओं का किया निरीक्षण

पायी गयी कमियों को तत्काल दुरुस्त करने हेतु सम्बंधित को कड़े निर्देश दिए गए

शौर्य भारत संवाददाता

भदोही। पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र, मीरजापुर 'आर.पी. सिंह' द्वारा वार्षिक निरीक्षण के क्रम में पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस कार्यालय के समस्त शाखाओं जैसे पत्र व्यवहार शाखा, आंकिक शाखा, अभियोजन शाखा, अपराध शाखा, आइ0जी0आर0एस0, महिला सम्मान प्रकोष्ठ, डी0सी0आर0बी0, विषेश जांच प्रकोष्ठ, जनसूचना सेल, पेशी पुलिस अधीक्षक इत्यादि शाखाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शाखाओं में नियुक्त सभी पुलिस कर्मचारियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान पुलिस कार्यालय के समस्त शाखाओं के विभिन्न रजिस्टरों का अवलोकन किया गया एवं शाखा प्रभारियों को समस्त पत्रावली व अभिलेखों का सही ढंग से रख रखाव व अद्यावधिक करने हेतु सख्त निर्देश दिये गए। डीसीआरबी शाखा को अभियान चलाकर अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई कराने, क्राइम ब्रांच को लंबित विवचनाओं के शीघ्र निस्तारण करने, प्रधान लिपिक को पुलिसकर्मियों के यात्रा भत्ता व चिकित्सा प्रतिपूर्ति से सम्बंधित प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण करने हेतु सख्त निर्देश दिए गए। आईजीआरएस सन्दर्भों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए तथा कमियों को तत्काल दुरुस्त करने हेतु सम्बंधित को कड़े निर्देश दिए गए ।

वार्षिक निरीक्षण के दौरान अभिनव त्यागी, पुलिस अधीक्षक भदोही, शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही सहित समस्त क्षेत्राधिकारीगण व पुलिस कार्यालय के समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दीक्षांत परेड की तैयारियों का एसपी-एएसपी ने लिया जायजा

शौर्य भारत संवाददाता

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने पुलिस लाइन ज्ञानपुर का निरीक्षण कर आगामी दीक्षांत परेड की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान परेड ग्राउंड का निरीक्षण कर रिक्रूट आरक्षियों के अनुशासन और तैयारियों की सराहना की गई।

अधिकारियों ने महिला बैरक, जिम, कंट्रोल रूम, यूपी-112 कार्यालय, एएचटीयू एवं यातायात कार्यालय का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। साथ ही रियल-टाइम मॉनिटरिंग, साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव एवं यातायात नियमों के सख्त पालन पर जोर दिया गया।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा की तैयारियां पूरी, 25 से 27 अप्रैल तक 6 केंद्रों पर सम्पन्न होगी परीक्षा

शौर्य भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में उत्तर प्रदेश होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 की परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में परीक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा 25, 26 एवं 27 अप्रैल को जनपद के 6 केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में सम्पन्न होगी, जिसमें प्रथम पाली सुबह 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 3:00 बजे से 5:00 बजे तक होगी। प्रत्येक पाली में 2496 अभ्यर्थी शामिल होंगे, जबकि तीन दिनों में कुल 14, 976 अभ्यर्थी परीक्षा में प्रतिभाग करेंगे।

परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। सभी केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्रश्नपत्र एवं अन्य सामग्री को सुरक्षित ढंग से केंद्रों तक पहुंचाने की व्यवस्था भी की गई है।

जिलाधिकारी ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश देते हुए संवेदनशील केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न जुटने देने तथा अभ्यर्थियों को शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को समय से केंद्रों पर पहुंचकर सुरक्षा, प्रवेश एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान महिलाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए और उनसे धार्मिक सामग्री उतरवाने जैसी अनावश्यक कार्रवाई न की जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

महिला अपराध को रोकने मिशन शक्ति टीम द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर। जिले की मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के क्रम में थाना बांसी मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम टेडिया सोनखर की महिलाओं/ बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान, नये कानून, साइबर अपराध सुरक्षा व एंटी रोमियो अभियान के तहत जागरूक किया। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक मृत्युजंय पाठक थाना बांसी के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के क्रम उप निरीक्षक राजेंद्र यादव, कांस्टेबल संतोष सोनकर, महिला कांस्टेबल गीतांजलि की टीम ने ग्राम टेडिया सोनखर की महिलाओं/ बालिकाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला सम्बन्धित विभिन्न सरकारी योजनाओं- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, मातृ शक्ति को सम्बल, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि विभिन्न सरकारी योजनाओ से अवगत कराया गया। मिशन शक्ति फेज 05 (द्वितीय चरण) कार्यक्रम, महिला सशक्तिकरण, एंटीरोमियो अभियान एवं साइबर अपराध सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों-112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1076 माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 181 वीमेन हेल्पलाइन, 101अग्निशमन सेवा आदि के बारे में जागरूक किया गया।

जिलाधिकारी ने आईटीआई बसडिलिया का औचक निरीक्षण किया

शौर्य भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा आईटीआई बसडिलिया का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान के विभिन्न कक्षों, प्रयोगशालाओं एवं प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों से संवाद कर उनकी उपस्थिति, प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने संस्थान की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आईटीआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आगामी प्रशिक्षण सत्र को ध्यान में रखते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक से समन्वय स्थापित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक सीटों पर प्रवेश सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण से जोड़ना आवश्यक है, ताकि उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि संस्थान में स्वच्छता, अनुशासन एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही प्रशिक्षण में आधुनिक उपकरणों एवं नवीन तकनीकों का उपयोग सुनिश्चित किया जाए, जिससे छात्र वर्तमान औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बन सकें।

उन्होंने प्रचार-प्रसार बढ़ाने, अभिभावकों एवं छात्रों को जागरूक करने तथा संस्थान की उपलब्धियों को साझा करने पर भी बल दिया। अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण से ही युवाओं का भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सकता है, इसलिए सभी संबंधित अधिकारी इस दिशा में गंभीरता से कार्य करें।

मुआवजा न मिलने पर हाईकोर्ट पहुंचे पक्षकार एडीएम कोर्ट ने निरस्त किया विवादित पट्टा

शौर्य भारत संवाददाता

भदोही। मुआवजा न मिलने पर पक्षकारों द्वारा जिलाधिकारी को पक्षकार बनाते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल किए जाने के बीच जनपद के एक अहम भूमि विवाद में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए वर्ष 2003 में हुए कृषि भूमि आवंटन (पट्टा) को निरस्त कर दिया। मामला तहसील भदोही के ग्राम ड़ड़वा कुकुरौठी का है, जहां खाता संख्या-776 की लगभग 0.200 हेक्टेयर भूमि को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने राजस्व अभिलेखों, साक्ष्यों और दोनों पक्षों की दलीलों का परीक्षण किया। जांच में सामने आया कि पट्टा आवंटन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं थीं। साथ ही, भूमि के पुनर्ग्रहण की कार्यवाही पूर्व में प्रस्तावित थी और औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीड़ा) द्वारा कॉरपोरेट सिटी योजना के तहत भूमि पर कब्जा लेकर विकास कार्य किए जाने के प्रमाण भी प्रस्तुत हुए।

न्यायालय ने यह भी माना कि आवंटन के विरुद्ध समयावधि में आपत्तियां और पुनरीक्षण की प्रक्रिया जारी थी, जिससे वर्ष 2003 की स्वीकृति विधिसम्मत नहीं मानी गई। सभी तथ्यों पर विचार करते हुए अदालत ने पट्टा निरस्त करने का आदेश दिया।

प्रकरण में पट्टाधारकों ने मुआवजे की मांग की थी और मुआवजा न मिलने पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार को पक्षकार बनाकर उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की। वर्ष 2025 में मामला बीड़ा भदोही के संज्ञान में आया, जिसके बाद बीड़ा के प्रार्थना पत्र पर तहसील प्रशासन की संयुक्त आख्या के आधार पर जिलाधिकारी के निर्देश में दाखिल पट्टा मन्सूखी सरकार बनाम नन्दलाल के प्रकरण का त्वरित निस्तारण किया गया।

इस मामले में बीड़ा भदोही की ओर से पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) नागेंद्र दुबे ने प्रभावी पैरवी की। एडीएम न्यायालय के इस फैसले को भूमि आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

मिशन शक्ति टीम ने स्कूली छात्र छात्राओं की महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

शौर्य भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले की मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के क्रम में थाना शोहरतगढ़ मिशन शक्ति टीम द्वारा थानाक्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय नियाव की बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान, नये कानून, साइबर अपराध सुरक्षा व एंटी रोमियो अभियान के तहत जागरूक किया।

जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के नेतृत्व तथा प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ के नेतृत्व में कम्पोजिट विद्यालय नियाव की बालिकाओं को मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के क्रम मे उप निरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल शोभा भारती, महिला कांस्टेबल उर्मिला द्वारा सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला सम्बन्धित विभिन्न सरकारी योजनाओं- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, मातृ शक्ति को सम्बल, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि विभिन्न सरकारी योजनाओं से अवगत कराया गया तथा मिशन शक्ति फेज 05 (द्वितीय चरण) कार्यक्रम, महिला सशक्तिकरण, एंटीरोमियो अभियान एवं साइबर अपराध सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों-112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1076 माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 181 वीमेन हेल्पलाइन, 101अग्निशमन सेवा आदि के बारे में जागरूक किया।

झांसी में सेना के जवान ने गोली मारकर दे दी जान

ड्यूटी के दौरान राइफल गर्दन में सटाकर दबाया ट्रिगर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के झांसी जिले के बबीना छावनी में तैनात सेना के एक जवान ने ड्यूटी के दौरान अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक फिलहाल यह पता नहीं चल सका है कि जवान ने यह कदम क्यों उठाया और मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि बबीना छावनी में सेना सुरक्षा कोर में नायक के पद पर तैनात ग्वालियर निवासी कोमल सिंह (50) ने सोमवार दोपहर ड्यूटी पर तैनाती के दौरान स्वयं के सिर में अपनी इंसास राइफल से कथित तौर पर गोली मार ली। पुलिस ने बताया कि यह देख निकट ही तैनात एक हवलदार ने घटना की सूचना अपने अधिकारियों को दी और सिंह को तत्काल सैन्य अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां कुछ घंटे बाद ही उन्होंने दम तोड़ दिया। बबीना थाना प्रभारी विनय साहू ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और परिजनों को सूचित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि अभी घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो सका, सेना के सहयोग से इस मामले की जांच की जा रही है।

बस्ती में दारोगा की दबंगई! बाइक पर थूक गया कोई, गुस्सा निकाल दिया बेगुनाह मासूम पर

बीच सड़क पर इतना पीटा, सिसक-सिसक कर रोया बच्चा, एसपी ने लिया एक्शन

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बस्ती जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के बनकटी बाजार से पुलिस की संवेदनहीनता का रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है। क्षेत्र में तैनात एक दारोगा पर आरोप है कि उसने एक मानसिक रूप से अस्वस्थ नाबालिग को मामूली शक के आधार पर बेरहमी से पीट दिया। जब घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। जिसके बाद पुलिसकर्मी के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की गई।

पीड़ित नाबालिग विकास कुमार के पिता गौतम कुमार बनकटी बाजार में गन्ने के जूस का ठेला लगाते हैं। परिजनों के मुताबिक विकास मानसिक रूप से अस्वस्थ है और उसका इलाज गोरखपुर में चल रहा है। घटना के समय वह ठेले पर बैठा था, तभी वहां पहुंचे एसआई शैलेंद्र सिंह ने अपनी बाइक पर थूक मिलने के शक में बच्चे से पूछताछ की।

आरोप है कि बाइक पर पान की पीक देख एसआई ने विकास पर शक जताया। बच्चे के अनभिज्ञता जताने के बावजूद दारोगा ने उसके साथ गाली-गलौज की और कथित तौर पर मारपीट की। इतना ही नहीं, उससे अपनी बाइक भी साफ करवाई। इस पूरी घटना का वीडियो किसी राहगीर ने रिकॉर्ड कर लिया और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया।

वीडियो में बच्चा रोते हुए पूरी आपबीती बता रहा है। इस घटना से बच्चा सहम गया और गहरे सदमे में है। वीडियो वायरल होते ही स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे।

मामला सामने आने के बाद एसपी यशवीर सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी एसआई शैलेंद्र सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है। डिप्टी एसपी कुलदीप यादव ने बताया कि आरोपी का व्यवहार विभागीय नियमों के खिलाफ है और मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। पुलिस प्रशासन का कहना है कि आम जनता के साथ दुर्व्यवहार करने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। जांच के आधार पर आगे की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हाथरस में जल जीवन मिशन की खुदाई में निकला कब्रिस्तान

कब्रों से बाहर आए शवों के अवशेष, जांच के आदेश

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हाथरस जिले में जल जीवन मिशन (ग्रामीण) के तहत ओवर हैड टैंक के निर्माण के लिए की जा रही खुदाई के दौरान कब्रिस्तान में कई कब्रें क्षतिग्रस्त हो गईं और शवों के कुछ अंश बाहर निकल आए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि लोगों के विरोध के बाद प्रशासन की पहल पर कब्रों से निकले शवों को फिर से दफना दिया गया। जिले के मुख्य विकास अधिकारी पी. एन. दीक्षित ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सादाबाद के उपजिलाधिकारी को इस मामले की जांच सौंपी गई है ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि यह जमीन कब्रिस्तान की है या सरकारी।

ग्रामीणों का आरोप था कि इस काम को बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के शुरू किया गया था। ग्राम प्रधान उमेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर कब्रिस्तान की भूमि पर चल रहे काम को रुकवाया। मुख्य विकास अधिकारी पी. एन. दीक्षित ने बताया कि लेखपाल ने जिस स्थल को कार्य के लिए चिन्हित किया था, उसी पर खुदाई की जा रही थी।

पीएम मोदी ने दिया था मौका, विपक्ष ने गंवाया

सीएम योगी बोले- अपनी महिला विरोधी छवि नहीं मिटा सके सपा-कांग्रेस

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को महिला आरक्षण लागू करने वाले संविधान संशोधन विधेयक के विरोध के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए उस विकल्प का दुरुपयोग किया है, जिसके तहत वे अपनी महिला विरोधी छवि को मिटाना चाहते थे। योगी आदित्यनाथ ने ये टिप्पणियां संविधान संशोधन विधेयक की हार के विरोध में निकाली गई 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' में भाग लेने के बाद कीं।

महिला आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करने के लिए सरकार का संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पिछले शुक्रवार को लोकसभा में खारिज हो गया। पदयात्रा के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा भवन के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि चाहे कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, उनका चेहरा अलोकतांत्रिक है, उनके कर्म महिला विरोधी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए उस विकल्प का दुरुपयोग करने की कोशिश की है, जिसके तहत वे अपनी महिला विरोधी छवि को मिटाना चाहते थे।

योगी ने आगे कहा कि

इसीलिए, 'आधी आबादी' (महिलाएं) कांग्रेस और उसके सहयोगियों के खिलाफ देशभर की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह मार्च कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके के 'महिला-विरोधी' रवैये के खिलाफ महिलाओं के असंतोष का प्रतीक है। आदित्यनाथ अपने सहयोगियों केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक तथा भाजपा के अन्य नेताओं के साथ इस मार्च में शामिल हुए।

उत्तर प्रदेश सरकार ने इससे पहले एक बयान में कहा था कि यह मार्च महिलाओं के आरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण संशोधन विधेयक के पारित न होने के विरोध में आयोजित किया जा रहा है - एक ऐसा कदम जिसने देश भर की लाखों माताओं और बहनों की आकांक्षाओं को गहरी चोट पहुंचाई है।

सीएम योगी ने सिविल सेवा दिवस की दी बधाई, कर्मिकों को दिया यह संदेश

डिप्टी सीएम केशव और ब्रजेश पाठक ने भी किया पोस्ट

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस के अवसर पर नौकरशाहों से कहा कि ''विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश'' के निर्माण में उनकी अथक मेहनत, समर्पण और योगदान वास्तव में सराहनीय है। योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''प्रशासनिक व्यवस्था के सशक्त आधार, हमारे सभी सिविल कार्मिकों को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के निर्माण की दिशा में आप सभी का अथक परिश्रम, समर्पण और योगदान अभिनंदनीय है।''

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सेवा, समर्पण और कर्तव्य के प्रति समर्पण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी सिविल सेवकों को सिविल सेवा दिवस की शुभकामनाएं। राष्ट्र निर्माण के प्रति आपका समर्पण देश की प्रगति की आधारशिला के रूप में कार्य करता है। आप में से प्रत्येक की ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा लगातार सुशासन की भावना को मजबूत करती है।''

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''भारतीय प्रशासनिक सेवा सहित वर्तमान में विभिन्न सिविल सेवाओं में कार्यरत अखिल भारतीय सेवाओं के सभी अधिकारियों को सिविल सेवा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।'' केंद्र सरकार हर साल 21 अप्रैल को 'सिविल सेवा दिवस' के रूप में मनाती है। इस दिन लोक सेवक नागरिकों के हित के प्रति समर्पण और सार्वजनिक सेवा एवं कार्य में उत्कृष्टता को लेकर अपनी प्रतिबद्धताओं को दोहराते हैं।

कार को ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मारी जोरदार टक्कर, मां-बेटे की मौत, 9 अन्य घायल

बदायूं **(एजेंसी)**। जनपद के उघेती थानाक्षेत्र में मंगलवार तड़के बिजनौर हाईवे पर एक तेज गति कार के सामने से आ रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार देने से एक महिला और उसके तीन महीने के बेटे की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) हिरदेश कुमार कठेरिया ने बताया कि उझानी कोतवाली क्षेत्र के गांव बसोमा के कुछ लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली से इस्लामनगर थाना क्षेत्र के समदनगर गांव में रिश्तेदारी के 'भात' कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि उघैती कस्बे के पास पहुंचते ही सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने ट्रॉली में सीधी टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली पलट गई और उसमें सवार सभी लोग सड़क पर गिर गए। उन्होंने बताया कि चीख-पुकार मचने पर स्थानीय लोग दौड़े और पुलिस को सूचना दी।

उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदायन ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने बसोमा निवासी सुमन (24) पत्नी हरदीप और उसके तीन माह के पुत्र को मृत घोषित कर दिया। पुलिस द्वारा इस दुर्घटना में घायलों के नाम शिवानी (14), माही (10), ज्योति (15), सुनीता (40), उमानदेही (32), खुशबू (26), जय देवी (60), वीर (45) और वर्षा (16) वर्ष बताये गये हैं। सभी का उपचार जारी है, इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

अभिषेक बनर्जी का तंज- पीएम मोदी हैं ममता सरकार के सबसे बड़े 'ब्रांड एंबेसडर'

कोलकाता **(एजेंसी)**। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि करीब 15 साल पहले बलरामपुर पुलिस स्टेशन सुबह दस बजे भी बंद रहता था, जबकि आज बलरामपुर के निवासी और पर्यटक टीएमसी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के तहत शांति से रह रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस इलाके में काफी विकास हुआ है। पहले, पुरुलिया शहर से फायर टेंडर को आने में दो घंटे तक लग जाते थे, लेकिन अब बलरामपुर का अपना फायर स्टेशन है। इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी भी काफी बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि लेफ्ट फ्रंट के शासनकाल के दौरान इस इलाके में माओवादियों का दबदबा था, लेकिन अब यहाँ पूरी तरह से शांति बहाल हो गई है। पिछली राजनीतिक घटनाओं का ज़िक्र करते हुए बनर्जी ने बताया कि 2018 के ग्राम पंचायत चुनावों के दौरान बीजेपी के दो नेताओं की मौत असामान्य परिस्थितियों में हुई थी। 2019 और 2021 में बीजेपी ने यह सीट जीती और उनके अनुसार, त्रिलोचन महतो और दुलाल कुमार की मौत को लेकर 'गंदी राजनीति' की।

उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय के बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह पुरुलिया आए थे और परिवारों को केंद्र सरकार में नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन आठ साल बीत जाने के बाद भी ऐसी कोई नौकरी नहीं दी गई है। उन्होंने आगे दावा किया कि स्थानीय सांसद परिवारों के फ़ोन का जवाब भी नहीं देते हैं।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को नरेन्द्र मोदी को पश्चिम बंगाल की मौजूदा सरकार का 'सबसे बड़ा ब्रांड एंबेसडर' बताया और कहा कि प्रधानमंत्री का झाड़ग्राम में झालमुड़ी खरीदना इस बात का सबूत है कि टीएमसी ने इस क्षेत्र को माओवादी हिंसा से बचाया है। उन्होंने भाजपा पर जमीनी हकीकतों को नजरअंदाज करते हुए टीएमसी सरकार पर निराधार राजनीतिक हमले करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने कहा, ''जो लोग बंगाल की कानून व्यवस्था की आलोचना करते हैं और राज्य को गुजरात, उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश में बदलने का वादा करते हैं, उन्हें याद करना चाहिए कि 2011 से पहले यहां जीवन कैसा था।'' ममता बनर्जी की टीएमसी ने 2011 में पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा को सत्ता से बेदखल कर दिया था।

उन्होंने कहा, ''उस समय झाड़ग्राम, गोपीबल्लभपुर, लालगढ़, बिनपुर और निताई में लोग दोपहर के बाद घर से बाहर नहीं निकल सकते थे। उस समय प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर भी झाड़ग्राम में नहीं उतर पाता। लेकिन आज की स्थिति देखिए।'' टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि जंगलमहल में शांति की बहाली ममता बनर्जी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में से एक है। अभिषेक ने झाड़ग्राम के लालगढ़ में एक चुनावी रैली में कहा, ''मैं नरेन्द्र मोदी को ममता बनर्जी सरकार का सबसे बड़ा 'ब्रांड एंबेसडर' मानता हूं। पिछले 15 वर्षों में मैंने उन्हें गुजरात या मध्य प्रदेश में कभी झालमुड़ी खाते नहीं देखा। लेकिन उन्होंने झाड़ग्राम में ऐसा किया। यह मां-माटी-मानुष की जनता की सफलता है।'' प्रधानमंत्री, जो अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ थे, ने दुकानदार को झालमुड़ी खरीदने के लिए पैसे दिए।

गुजरात एटीएस का बड़ा खुलासा : 'ग़ज़वा-ए-हिंद' की साज़िश आरडीएक्स से आरएसएस नेताओं को बनाने वाले थे निशाना

अहमदाबाद **(एजेंसी)**। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने दो लोगों को कथित तौर पर देश-विरोधी गतिविधियां करने की साज़िश रचने और सोशल मीडिया के ज़रिए लोगों को कट्टरपंथी बनाकर देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एटीएस के मुताबिक, आरोपी एक ऐसा आतंकी नेटवर्क बनाने की योजना बना रहे थे जिसका मकसद ग़ज़वा-ए-हिंद (भारत पर कब्ज़ा) स्थापित करना था। आरोप है कि उनका इरादा आरडीएक्स विस्फोटक का इस्तेमाल करने, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने और अपने मकसद को आगे बढ़ाने के लिए ऑनलाइन युवाओं की भर्ती करने का था। एटीएस ने बताया कि वह तकनीकी और मानवीय, दोनों तरह की खुफिया जानकारी का इस्तेमाल करते हुए सोशल मीडिया और इंटरनेट पर राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों पर बारीकी से नज़र रख रही है।

इस प्रक्रिया के दौरान, पाटन

ज़िले के सिद्धपुर के रहने वाले इरफ़ान कालेखान पठान (22) के बारे में खास जानकारी मिली। आरोप है कि वह कट्टरपंथी इस्लामी विचारधारा से प्रभावित था। इस जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, एटीएस अधिकारियों ने पठान को पूछताछ के लिए बुलाया। एक प्रेस रिलीज़ के अनुसार, उसके मोबाइल फ़ोन की जाँच से पता चला कि वह व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए आईएसआईएस से जुड़े लोगों और अन्य कट्टरपंथी व्यक्तियों और समूहों के संपर्क में था। शुरुआती जाँच से पता चला कि पठान जिहादी प्रोपेगैंडा फैलाने और पूरे देश में समान विचारधारा वाले कट्टरपंथियों का एक नेटवर्क बनाने की कोशिश में सक्रिय रूप से शामिल था। जाँच में पता चला कि इरफ़ान कई सोशल मीडिया ग्रुप का सदस्य था और पाकिस्तान तथा अफ़गानिस्तान में ऐसे लोगों के संपर्क में था जो उसी तरह की कट्टरपंथी विचारधारा रखते हैं। उसका मुख्य मकसद समान विचारधारा वाले लोगों को कट्टरपंथी बनाना और उन्हें हथियार जुटाकर देश-विरोधी गतिविधियाँ करने के लिए उकसाना था।

एटीएस ने आरोप लगाया है कि पठान ने अपने साथियों के साथ मिलकर भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने और 'ग़ज़वा-ए-हिंद' की स्थापना के उद्देश्य से एक आतंकी नेटवर्क बनाने की साज़िश रची थी। एटीएस के अनुसार, वह कथित तौर पर अलग-अलग राज्यों से 'मुजाहिदीनों' की भर्ती करने, उन्हें हथियार चलाने और आरडीएक्स बमों सहित विस्फोटक बनाने का प्रशिक्षण देने, और ऐसी गतिविधियों के लिए शिविर आयोजित करने की योजना बना रहा था।

नेताओं के बिस्तर से शुरू होता है 90 फीसदी महिलाओं का पॉलिटिकल करियर...

पप्पू यादव के बिगड़े बोल, महिला आयोग ने भेजा नोटिस

पटना **(एजेंसी)**। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजनीति में महिलाओं पर विवादास्पद टिप्पणी करके राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि महिलाएं समझौता किए बिना राजनीति में सफल नहीं हो सकतीं और आरोप लगाया कि उनकी सुरक्षा और संरक्षा की अनदेखी की जा रही है। पप्पू यादव ने कहा कि भारत में महिलाओं को देवी कहा जाता है, लेकिन यहां उन्हें कभी सम्मान नहीं मिलेगा। इसके लिए व्यवस्था और समाज दोनों जिम्मेदार हैं। 90इ महिलाएं राजनेताओं के कमरे में प्रवेश किए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं।

पप्पू यादव ने कहा कि अगर लोकसभा में महिलाओं की गरिमा का मुद्दा उठाया जाता है, तो यह मजाक बन जाता है। उन्होंने आगे कहा कि घरेलू हिंसा के लिए कौन जिम्मेदार है? अमेरिका से लेकर भारत तक, कौन महिलाओं को बुरी नजरों से देख रहा है? राजनेता। किसी राजनेता के शयनकक्ष तक पहुँचे बिना 90इ महिलाएं राजनीति में प्रवेश भी नहीं कर सकतीं। महिलाओं के शोषण की संस्कृति जड़ पकड़ चुकी है।

भाजपा ने पप्पू यादव से माफी मांगने की मांग करते हुए उनके बयान को चौंकाने वाला बताया है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि चौंकाने वाला बयान! जब

पूरा देश नारी शक्ति आंदोलन चला रहा था, तब देखिए कांग्रेस समर्थित सांसद क्या कह रहे हैं। सांसद पप्पू यादव का महिलाओं पर विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि 90इ महिलाएं किसी नेता के कमरे में जाए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं। यही उनकी मानसिकता है।

इस टिप्पणी का संज्ञान लेते हुए बिहार राज्य महिला आयोग ने नेता से स्पष्टीकरण मांगा है। आयोग ने एक बयान में कहा कि इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए बिहार राज्य महिला आयोग आपसे स्पष्टीकरण चाहता है कि आपने ऐसा आपत्तिजनक बयान क्यों दिया। आयोग यह भी पूछता है कि आपकी सदस्यता रद्द करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को सिफारिश क्यों नहीं की जानी चाहिए।

प्रीतम लोधी के रवैये से भाजपा के नेता भी हो गए नाराज! कर दी कार्रवाई की मांग

भोपाल। भाजपा विधायक प्रीतम लोधी के पुत्र दिनेश लोधी की थार कार से हुए हादसे का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। पहले प्रीतम लोधी ने पुलिस से सहयोग की बात कही थी लेकिन बाद में भाजपा विधायक ने आईपीएस आयुष जाखड़ को चेतावनी दी है। इतना ही नहीं भाजपा विधायक प्रीतम लोधी अपने बयान पर कायम है उन्होंने कहा कि 'मैंने बयान सोच-समझकर दिया है। मेरे बेटे की बेइज्जती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसपी कहते हैं दिल्ली से फोन आ रहा है। मैं पूछता हूं किसका? क्या सिंधिया जी का है या मोदी-शाह का? आखिर एसपी की डायरेक्ट बात किससे होती है?'

प्रीतम लोधी के इस बयान के बाद जहां आईपीएस एसोशिएशन ने कार्रवाई की मांग की है, वहीं बीजेपी के ही दिग्गज नेता और पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर ने भी घेरा है। शेजवलकर ने इस घटनाक्रम को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि मामले में पार्टी संगठन को संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हम पार्टी विद डिफरेंस की बात करते हैं, तो ऐसी बयान बाजी नहीं होनी चाहिए। इन चीजों से पार्टी टॉलेंटस होती है और समाज में गलत संदेश जाता है। इधर कांग्रेस ने भी मामले को लपकते हुए मोर्चा खोल दिया है। ग्वालियर से कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार ने बीजेपी को अनुशासनहीन पार्टी बताया है। सतीश सिकरवार ने कहा कि बीजेपी अब दीनदयाल उपाध्याय की पार्टी नहीं, बल्कि मोदी-शाह की पार्टी बन गई है, जहां माफियाओं का राज है। अब यहां दीनदयाल जी के संस्कार नहीं चलते। इनकी कथनी और करनी में अंतर है। इन्होंने सरकार बनाने के लिए कहीं से ईंट और कहीं से रोड़ा उठा लिया है, जब रेत और शराब माफियाओँ को पार्टी में लाएंगे, तो नतीजे ऐसे ही अनुशासनहीनता वाले होंगे।

सपा सांसद धर्मेंद्र यादव का बड़ा बयान

ओबीसी और मुस्लिम महिलाओं के लिए आरक्षण को लेकर सपा लाएगी निजी विधेयक

बदायूं **(एजेंसी)**। लोकसभा में समाजवादी पार्टी (सपा) के मुख्य सचेतक और आजमगढ़ के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा है कि उनकी पार्टी संसद में निजी विधेयक पेश करेगी, जिसमें महिला आरक्षण कानून के तहत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और मुस्लिम महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की मांग की जाएगी। यादव ने मीडिया से विशेष बातचीत में कहा कि विपक्ष ने 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून का समर्थन किया था, लेकिन सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी करने में तीन साल की देरी की।

उन्होंने सवाल उठाया, 'अगर आरक्षण 2011 की जनगणना के आधार पर लागू किया जाना था, तो 2023 में नया मसौदा लाने की क्या जरूरत थी?' धर्मेंद्र यादव ने परिसीमन को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर और असम में हुए परिसीमन के बाद विपक्ष का भरोसा कमजोर हुआ है और इसी कारण विपक्ष सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहा है। सपा सांसद ने आरोप लगाया कि मौजूदा कानून में ओबीसी और मुस्लिम महिलाओं के प्रतिनिधित्व को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। उन्होंने इसे 'सबसे बड़ी खामी' बताया।

यादव ने कहा, 'इसी खामी को दूर करने के लिए समाजवादी पार्टी संसद में 'निजी सदस्य विधेयक' लाने की तैयारी कर रही है।' कोई भी सांसद, जो मंत्री नहीं है, निजी सदस्य विधेयक पेश कर सकता है। यह उन जनहित के मुद्दों पर ध्यान खींचता है। धर्मेंद्र यादव ने यह भी कहा कि महिला आरक्षण का समर्थन उनकी पार्टी हमेशा से करती रही है, लेकिन इसे सभी वर्गों की महिलाओं के लिए समान रूप से लागू करना जरूरी है। यादव ने कहा कि अफसोस की बात है कि सरकार की नियत इस बिल को लेकर बिल्कुल भी साफ नहीं है।

मुख्यमंत्री मोहन बोले- दूसरी जयललिता न खड़ी हो जाए

इसलिए सारा विपक्ष एक हो गया और महिला आरक्षण बिल पास नहीं होने दिया

राशिपुरम/भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज तमिलनाडु की राशिपुरम विधानसभा में आयोजित रोड शो में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने डीएमके पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि दूसरी जयललिता न खड़ी हो जाए, इसलिए सारा विपक्ष एक हो गया और महिला आरक्षण बिल पास नहीं होने दिया।

राशिपुरम में आयोजित रोश शो में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने डॉ. प्रेम कुमार के समर्थन में जनता से समर्थन मांगा। डॉ यादव ने कहा कि देश लगातार आगे बढ़ रहा है। मैं पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम, अम्मा जयललिता , विख्यात कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण की इस धरती को प्रणाम करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल में तमिलनाडु बसता है, तमिल बसते हैं। इसी का परिणाम है कि देश का उपराष्ट्रपति तमिलनाडु की हस्ती को बनाया है। आज के परिदृश्य में विदेशों में जो भारत का मान-सम्मान बढ़ा रहे हैं वो विदेश मंत्री जयशंकर भी तमिलनाडु से ही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धन की चाबी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को दी है। देश के साथ-साथ तमिलनाडु भी आगे बढ़ रहा है। मैं अम्मा जयललिता को भी स्मरण करता हूं। दूसरी जयललिता न खड़ी हो जाए, इसलिए सारा विपक्ष एक हो गया और महिला आरक्षण बिल पास नहीं कराया। उनको डर था कि फिर कोई गरीब की बेटी, सामान्य परिवार की बहन, किसान की बेटी संसद-विधानसभा में पहुंच न पाए। ये समय इस बात का है हम इसका हिसाब लें। उन्होंने कहा कि डीएमके और कांग्रेस दोनों पार्टियां एक परिवार से चल रही हैं। एक ही खानदान से आने वाले ये लोग देश-प्रदेश को लूटने में लगे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि ये किसी और आदमी को सत्ता की चाबी नहीं देना चाहतीं। तुम भी लूटो-हम भी लूटें, गले काटने का काम कोई कर रही है तो डीएमके-कांग्रेस कर रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राशिपुरम में न पीने का पानी है, न सिंचाई है, जो सरकार पानी ने दे सके, वो सरकार निकम्मी है, वो सरकार बदलनी है। मेरे और आपके मन का भाव एक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिल भाषा का महत्व और बढ़ाया। ये दुनिया की सबसे अच्छी, मीठी भाषा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंगोल की स्थापना कर संसद का मान बढ़ाया।उन्होंने कहा कि आपके मन के भाव बता रहे हैं यहां हमारे गठबंधन की सरकार बन रही है। हम 4 मई को भारी जीत का जुलूस निकालेंगे। जब तक आखिरी वोट न दे दें, तब तक शांति से न बैठें।

जयराम रमेश का मोदी सरकार पर बड़ा हमला, महिला आरक्षण पर सोती रही सरकार, अब परिसीमन से जोड़ा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और सोनिया गांधी की बार-बार की मांगों के बावजूद, विवादास्पद परिसीमन प्रक्रिया से महिलाओं के आरक्षण को जोड़कर जानबूझकर इसके कार्यान्वयन में देरी कर रही है। एक्स पर एक पोस्ट में, रमेश ने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के पूर्व पत्रों का हवाला देते हुए आरक्षण को तत्काल लागू करने की पार्टी की निरंतर मांग पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में राहुल गांधी ने 16 जुलाई, 2018 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग की थी। आठ साल बाद भी, प्रधानमंत्री परिसीमन से जोड़कर आरक्षण के कार्यान्वयन में देरी करने के इच्छुक हैं और उन्होंने अभी तक इस मांग पर कोई कार्रवाई नहीं की है। रमेश ने पहले के प्रयासों को याद करते हुए कहा कि 2017 में, तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में श्रीमती

सोनिया गांधी ने भी महिला आरक्षण विधेयक पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। कांग्रेस पार्टी का रुख अडिग और अपरिवर्तित रहा है। यह मोदी सरकार ही है जिसने इस मांग पर ध्यान नहीं दिया और फिर परिसीमन से जोड़कर इसमें देरी करने की कोशिश की।

ये टिप्पणियां संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के अपेक्षित दो-तिहाई बहुमत प्राप्त न कर पाने के बाद आई हैं। विधेयक के पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 मत पड़े। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पुष्टि की कि विधेयक पारित नहीं हुआ, जिसके बाद सरकार ने संबंधित परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक पर आगे कार्रवाई न करने का निर्णय लिया। प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करना था, जिसमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण शामिल था। साथ ही, इसके कार्यान्वयन को 2011 की जनगणना के आधार पर होने वाले भविष्य के परिसीमन अभ्यास से जोड़ा गया था।

इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को प्रस्तावित परिसीमन का बचाव करते हुए इसे 'अपरिहार्य' बताया और कहा कि इससे किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा। उन्होंने कांग्रेस और डीएमके द्वारा इसके विरोध की आलोचना की। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, नायडू ने राहुल गांधी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के इस दावे को खारिज कर दिया कि विपक्ष ने परिसीमन से जुड़े प्रस्ताव को पराजित कर दिया है।

तेज प्रताप यादव का बड़ा बयान, कांग्रेस में प्रियंका गांधी को लाओ, राहुल से नहीं चलेगा

पटना **(एजेंसी)**। जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव ने मंगलवार को कांग्रेस के नेतृत्व के लिए प्रियंका गांधी की वकालत करते हुए कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की पार्टी का नेतृत्व करने की क्षमता पर अविश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केवल प्रियंका गांधी ही इसे चला सकती हैं; वह इंदिरा गांधी जैसी हैं। राहुल गांधी से चलने वाला नहीं है, यात्रा पर जाकर, बुलेट पर बैठकर। नीतीश कुमार जी चले गए, कोई और मुख्यमंत्री बन गया, उनका मकसद क्या है?

तेज प्रताप यादव की यह टिप्पणी राहुल गांधी के उस आरोप के जवाब में आई है जिसमें उन्होंने जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख नीतीश कुमार के राज्य की राजनीति से हाल ही में बाहर निकलने के बाद उन्हें 'समझौते में फंसा हुआ' बताया था। भाजपा के सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार की जगह बिहार के मुख्यमंत्री का पद संभाला। यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठाए गए हैं। इसी साल जनवरी में, कांग्रेस के पूर्व नेता शकील अहमद ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है और राहुल गांधी पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व को बाहर निकालना चाहते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और दावा

किया कि वे लोकप्रिय और अनुभवी नेताओं के साथ सहयोग करने में असहज महसूस करते हैं। अहमद ने एएनआई से कहा कि कांग्रेस में कई ऐसे नेता हैं जो राहुल गांधी के राजनीति में आने से बहुत पहले से राजनीति में हैं। जिस दिन राहुल गांधी जी ने अपना पहला चुनाव जीता, उसी दिन मैंने अपना पांचवां चुनाव जीता। मेरा मानना है कि वे उन लोगों के साथ बैठने में असहज महसूस करते हैं जो उन्हें अपना मुखिया नहीं मानते। मुझे यह लंबे समय से महसूस होता रहा है, लेकिन जब आप पार्टी में रहते हैं तो ऐसी बातें नहीं कहते। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नेहरू-गांधी परिवार से होने के कारण राहुल गांधी में श्रेष्ठता की भावना है। अहमद ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है...कांग्रेस पार्टी में राहुल गांधी जो कहते हैं वही अंतिम होता है।

महाराष्ट्र के पालघर के पटाखा यूनिट में हुआ बड़ा विस्फोट, हादसे में 2 की मौत और 4 घायल

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के पालघर के पटाखा यूनिट में एक बड़ा धमाका हुआ है। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हुई, जबकि 4 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना रविवार को तमिलनाडु में एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट के ठीक बाद हुई है, जिसमें 23 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। निगम आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि वाडा तालुका के कोंसाई गांव में एक पुराने फार्महाउस में टिन के शेड में पटाखा निर्माण इकाई में दोपहर करीब 12 बजे विस्फोट हुआ। उन्होंने बताया कि उस समय लगभग 35 श्रमिक पटाखे बनाने में लगे हुए थे। इनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। वाडा थाने के एक अधिकारी ने बताया, ''यह घटना उस समय हुई जब रसायनों को मिलाने की प्रक्रिया चल रही थी। इस घटना में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई और एक महिला 90 प्रतिशत तक झुलस गई।'' अधिकारी ने बताया कि बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि चार अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें वाडा ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया।

उनमें से कुछ को बाद में बेहतर इलाज के लिए भिवंडी उप-जिला अस्पताल और एक अन्य चिकित्सा केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया, ''बचाव अभियान के लिए दमकल सेवाएं और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गईं। विस्फोट के बाद लगी आग पर दमकल कर्मियों ने तुरंत काबू पा लिया।'' अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान भवेश दिलीप वावरे (35) और मोनिका सचिन पडवाले (30) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या पटाखा के पास आवश्यक लाइसेंस थे और क्या उसने सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया था।

'लड़खड़ाती दुनिया को इंडिया दिखाएगा रास्ता', त्रिपुरा में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का अहम संदेश

मोहनपुर **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने 31 जनवरी, 2026 को कहा कि दुनिया वर्तमान में लड़खड़ा रही है और शासन, धर्म और विज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के साथ 2000 वर्षों के प्रयोगों के बाद भारत के ज्ञान की तलाश कर रही है। पश्चिम त्रिपुरा जिले के मोहनपुर स्थित मां सौंदर्या चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेकम कार्यक्रम में बोलते हुए, भगवत ने टिप्पणी की कि सदियों से कई वैश्विक मॉडलों को आजमाया गया है, लेकिन वे स्थायी शांति और संतोष स्थापित करने में विफल रहे हैं। मोहन भगवत ने कहा कि 2000 वर्षों से दुनिया ने बहुत सारे प्रयोग किए हैं। पहले सब कुछ राजा को दिया जाता था। लोगों का मानना था कि राजा का होना अच्छा है, लेकिन बाद में राजा खुद अपनी प्रजा को लूटने लगा। इसलिए उन्होंने कहा, ईश्वर ही राजाओं का राजा है। इस प्रकार, ईश्वर के प्रति भक्ति पर आधारित विभिन्न धर्मों का जन्म हुआ। लेकिन उन्होंने जीवन में शांति स्थापित करने का प्रयास किया, और अंततः रक्त की नदियाँ बहा दीं।

उन्होंने आगे मानव पीड़ा को दूर करने में वैज्ञानिक युग की सीमाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाद में उन्होंने कहा, हम वैज्ञानिक हैं। हम ईश्वर में तभी विश्वास करेंगे जब ईश्वर प्रयोगशाला में हमारी परीक्षण नलियों में प्रकट होंगे, अन्यथा नहीं। फिर विज्ञान

का युग शुरू हुआ। बहुत सारी सुख-सुविधाएँ और विलासिताएँ पैदा हुईं, लेकिन संतोष नहीं है। पीड़ा अभी भी है, परिवार टूट रहे हैं, और अपराध बढ़ रहा है। युद्ध, एक बार शुरू हो जाने पर, रुकते नहीं हैं, और युद्ध कभी नहीं रुकते। जितना अधिक विकास होता है, उतना ही अधिक पर्यावरण नष्ट होता है।

भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि मानवता अब इन लंबे प्रयोगों के परिणामों का सामना कर रही है, और कहा कि अब, ऐसे प्रयोगों के 2000 वर्षों के बाद, दुनिया लड़खड़ा रही है और भारत के ज्ञान की लालसा कर रही है। यह भारत का कर्तव्य है, क्योंकि यही भारत के जीवन का उद्देश्य है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस धार्मिक आयोजन में उपस्थित थे।

पाकिस्तान ने भारतीय विमानों पर फिर बढ़ाया बैन एयरलाइंस को हो रहा अरबों रुपए का नुकसान

लाहौर **(एजेंसी)**। पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र में भारतीय विमानों पर लगाए गए प्रतिबंध को मंगलवार को एक महीने के लिए और बढ़ा दिया। पाकिस्तान ने 24 अप्रैल, 2025 से भारतीय उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद रखा है, जिससे भारतीय विमानन कंपनियों को अरबों रुपए का नुकसान हुआ है। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण ने 'नोटिस टू एयरमेन' (नोटम) में कहा है कि ''सभी भारतीय-पंजीकृत, पट्टे पर लिए गए, वाणिज्यिक और सैन्य विमानों को 24 मई, 2026 को सुबह पांच बजे तक पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी।''

यह नोटिस पिछले नोटिस की

समय सीमा 24 अप्रैल समाप्त होने से कुछ दिन पहले जारी किया गया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद उत्पन्न तनाव के चलते पाकिस्तान ने भारतीय विमानन कंपनियों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। भारत ने आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया था। हालांकि, पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और पारदर्शी जांच की मांग की। इसके जवाब में भारत ने भी पाकिस्तानी विमानन कंपनियों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया।

पाकिस्तान ने भारत पर पहली बार इस तरह के प्रतिबंध लगाए। इस प्रतिबंध से भारतीय वाणिज्यिक विमानन कंपनियों को भारी नुकसान हुआ क्योंकि वे विशेष रूप से खाड़ी देशों के लिए विभिन्न भारतीय शहरों से आने-जाने वाली अपनी अधिकांश उड़ानों के संचालन के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करती थीं। हवाई क्षेत्र को पूर्व में 1999 के करगिल संघर्ष और 2019 के पुलवामा संकट के दौरान भी बंद किया गया था।

जापान का बड़ा फैसला : शांतिवादी नीति में किया बदलाव, घातक हथियारों के निर्यात को दी मंजूरी

टोक्यो **(एजेंसी)**। जापान ने मंगलवार को घातक हथियारों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने का समर्थन किया क्योंकि देश अपने हथियार उद्योग को मजबूत करना चाहता है और रक्षा भागीदारों के साथ सहयोग को गहरा करना चाहता है। इसे जापान की युद्धोत्तर शांतिवादी नीति में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। प्रधानमंत्री साने ताकाइची के मंत्रिमंडल की ओर से नए दिशा-निर्देशों को मंजूरी मिलने के साथ ही जापान के युद्धोत्तर हथियार निर्यात के रास्ते में मौजूद अंतिम बाधाएं भी दूर हो गई हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के बीच देश अपनी सैन्य क्षमता को तेजी से मजबूत करने में जुटा है। जहां इस नीति बदलाव की चीन ने आलोचना की है, वहीं ऑस्ट्रेलिया जैसे जापान के रक्षा सहयोगी देशों ने इसका स्वागत किया है, और दक्षिण-पूर्व एशिया तथा यूरोप के देशों में भी इसके प्रति रुचि देखी जा रही है।

विरोधियों का कहना है कि यह बदलाव जापान के शांतिवादी संविधान की भावना के खिलाफ है और इससे वैश्विक तनाव बढ़ सकता है, साथ ही जापानी नागरिकों की सुरक्षा पर भी खतरा हो सकता है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने संवाददाताओं से कहा, ''तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच नयी नीति जापान की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शांति व स्थिरता में भी अहम योगदान देगी।'' उन्होंने कहा, ''सरकार रक्षा उपकरणों के निर्यात को रणनीतिक रूप से बढ़ावा देगी, ताकि जापान के लिए अनुकूल सुरक्षा वातावरण तैयार किया जा सके और ऐसी औद्योगिक क्षमता विकसित की जा सके, जो किसी भी संघर्ष की स्थिति में देश की मजबूती को सहारा दे सके।''

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बने अपने शांतिवादी संविधान के तहत जापान लंबे समय तक अधिकांश हथियारों के निर्यात पर रोक लगाए रहा। हालांकि, हाल के वर्षों में वैश्विक और क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के कारण इसमें कुछ ढील दी गई, लेकिन निर्यात को केवल पांच क्षेत्रों- बचाव, परिवहन, सतर्कता, निगरानी और बारूदी सुरंग हटाने तक सीमित रखा गया था। नए दिशा-निर्देश इन सीमाओं को समाप्त करते हैं और लड़ाकू विमान, मिसाइल और विध्वंसक जैसे उपकरणों के निर्यात को अनुमति देते हैं। फिलहाल, यह निर्यात केवल उन 17 देशों तक सीमित रहेगा, जिन्होंने जापान के साथ रक्षा उपकरण और तकनीक हस्तांतरण से जुड़े समझौते किए हैं। इसके अलावा, हर सौदे के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की मंजूरी अनिवार्य होगी और बाद में हथियारों के उपयोग व प्रबंधन पर सरकार नजर भी रखेगी। हालांकि, जापान अब भी युद्धरत देशों को घातक हथियारों का निर्यात नहीं करेगा।

ईरानी टीवी का स्क्रीन अलर्ट जारी दोबारा पाकिस्तान नहीं गया कोई प्रतिनिधिमंडल अमेरिका से वार्ता पर सस्पेंस बरकरार!

तेहरान **(एजेंसी)**। ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल ने मंगलवार को स्क्रीन पर एक 'अलर्ट' जारी कर कहा कि ''ईरान का कोई प्रतिनिधिमंडल अब तक इस्लामाबाद नहीं गया है।'' यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के साथ संभावित वार्ता को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। स्क्रीन पर जारी यह 'अलर्ट' ईरान की धर्मतांत्रिक व्यवस्था के भीतर संभवतः जारी उस आंतरिक बहस को दर्शाता है जिसमें वह सप्ताहांत में अमेरिकी नौसेना द्वारा एक ईरानी कंटेनर पोत पर कब्जा किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया को लेकर विचार कर रहा है। ईरान की धर्म आधारित व्यवस्था में कट्टरपंथी नेता सरकारी टेलीविजन को लंबे समय से नियंत्रित करते रहे हैं। अब तक किसी अधिकारी ने यह स्वीकार नहीं किया है कि कोई प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद जाएगा। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में संभावित वार्ता के लिए अधिकारियों ने पहले से तैयारी कर ली है। यदि युद्धविराम के लिए दूसरे दौर की वार्ता होती है तो अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के इन वार्ताओं के लिए अमेरिकी दल का नेतृत्व करने की संभावना है। ईरान ने अभी यह नहीं बताया है कि उसके प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कौन करेगा। पिछली बार ईरानी पक्ष का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने किया था।

ट्रम्प का दोगला चेहरा फिर बेनकाब

होर्मुज में भारतीय जहाजों पर हमले बारे सवाल पर भड़के, महिला पत्रकार को बोले- 'आउट'

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अपने विवादित बयानों और रवैये कारण सुर्खियों में रहने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक बार फिर अपने व्यवहार को लेकर चर्चा में हैं। भारत का सहयोगी होने का दावा करने वाले ट्रम्प का दोगला चेहरा फिर बेनकाब हो गया है। व्हाइट हाऊस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक महिला पत्रकार के भारत के बारे में पूछे सवाल पर वह अचानक भड़क गए और उसे बीच में ही 'आउट' कहकर बाहर जाने को कह दिया।

दरअसल, सीबीएस न्यूज़ की रिपोर्टर ओलिविया रिनाल्डी ने होर्मुज में भारतीय जहाजों पर ईरानी हमले को लेकर सवाल पूछा। ट्रंप ने सवाल पूरा होने से पहले ही उन्हें रोक दिया और बाहर का रास्ता दिखा दिया, जिससे प्रेस रूम का माहौल तनावपूर्ण हो गया। होर्मुज से गुजर रहे दो भारतीय जहाजों पर ईरानी गनबोट्स द्वारा फायरिंग की घटना को लेकर सवाल पर ट्रम्प के इस रवैये से दुनिया हैरान है । इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

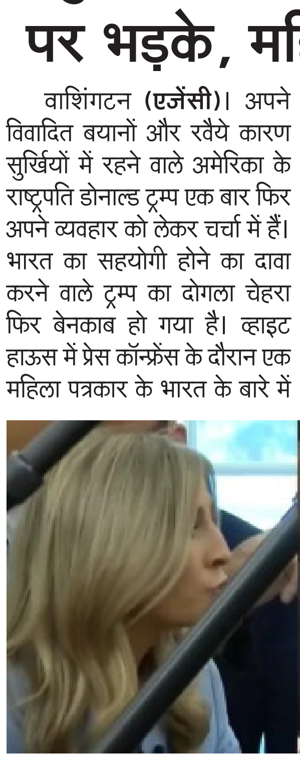

2024 अमेरिकी चुनाव अभियान को कवर कर चुकी और सीबीएस सायंकाल न्यूज़ में प्रोडक्शन टीम का हिस्सा रहींओलिविया रिनाल्डी ने खुद भी क्लिप शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने जहाजों पर हमले से जुड़ा सवाल पूछा था, लेकिन जवाब देने के बजाय उन्हें बाहर जाने को कह दिया गया। इस बीच ट्रम्प ने ईरान पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि उसने संघर्षविराम का उल्लंघन किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान नहीं माना, तो उसके बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा सकता है।

घर के आंगन में अचानक आ गिरी 13 लोगों से भरी टोकरी

हक्का-बक्का रह गया मकान मालिक!

टेमेकुला **(एजेंसी)**। दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक हॉट एयर बलून को आपात स्थिति में एक घर के परिसर में उतारना पड़ा, जिसमें 13 लोग सवार थे। यह घटना शनिवार को हुई जब एक विशाल हॉट एयर बलून, जिसमें पायलट और यात्री सवार थे, टेमेकुला के एक घर की संकरी घास वाली पट्टी पर बिल्कुल सही तरीके से उतारा गया। घर के मालिक हंटर पेरिन के मुताबिक उन्हें इन मेहमानों के आने की सूचना तब मिली जब एक पड़ोसी ने इसकी जानकारी दी।

पेरिन ने 'केएबीसी-टीवी' को बताया, 'मैंने स्लाइडिंग कांच का दरवाजा खोला और पाया कि मेरे घर के आंगन में 13 लोगों से भरी एक टोकरी है!' उसने कहा, 'पायलट बहुत माहिर था। बलून न तो किसी चीज से टकराया, न ही कोई घायल हुआ।' ब्रियाना अवालोस, जो अपने पति के साथ शादी की दसवीं सालगिरह मनाने के लिए बलून पर सवार हुई थीं, ने बताया कि पायलट ने यात्रियों को सूचित किया कि कम ईंधन और कमजोर हवाओं के कारण उसे आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ेगी।

अमेरिका द्वारा जब्त ईरानी जहाज का चीन से कनेक्शन, 'टौस्का' का गुप्त मिशन बेनकाब

बीजिंग **(एजेंसी)**। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक नई रिपोर्ट ने बड़ा खुलासा किया है। ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सेना द्वारा जब्त किए गए ईरानी मालवाहक जहाज एम/वी टौस्का को लेकर अब चीन कनेक्शन सामने आया है, जिससे इस पूरे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। सरल शब्दों में समझें तो यह जहाज ईरान के एक ऐसे नेटवर्क का हिस्सा बताया जा रहा है, जो चीन के बंदरगाहों से जुड़ा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक यह जहाज हाल ही में चीन के झुहाई पोर्ट पर दो बार गया था और इसके जरिए ऐसे सामान ले जाए जाने की आशंका है, जो नागरिक और सैन्य दोनों तरह के उपयोग में आ सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने इस जहाज को उस समय रोका जब यह अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को पार करने की कोशिश कर रहा था। चेतावनी के बाद भी न रुकने पर अमेरिकी बलों ने फायरिंग कर जहाज के इंजन को निष्क्रिय किया और फिर उस पर कब्जा कर लिया। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं किया गया है कि जहाज में क्या सामान था, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह 'डुअल-यूज़' यानी संवेदनशील सामग्री हो सकती है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि यह जहाज मलेशिया के पोर्ट क्लांग और दक्षिण-पूर्व एशिया

के कई रास्तों से होकर आया था। ऐसे रूट्स का इस्तेमाल अक्सर माल के असली स्रोत को छिपाने के लिए किया जाता है। समुद्र में जहाज-से-जहाज ट्रांसफर के जरिए ट्रैकिंग को मुश्किल बना दिया जाता है।

चीन ने इस मामले में साफ कहा है कि वह ईरान को हथियार नहीं देता और उसके पास डुअल-यूज़ सामान के निर्यात पर नियंत्रण है। लेकिन चीन अमेरिकी प्रतिबंधों को नहीं मानता, इसलिए यह विवाद और गहरा हो गया है। बीजिंग ने जहाज जब्त किए जाने पर चिंता जताई है और संयम बरतने की अपील की है। इस घटना ने यह भी दिखा दिया है कि ईरान-यूएस संघर्ष अब सिर्फ सैन्य नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार और सप्लाई नेटवर्क से भी जुड़ चुका है। खासकर होर्मुज स्ट्रेट जैसे अहम समुद्री रास्ते पर तनाव बढ़ने से दुनिया की तेल सप्लाई और बाजार पर असर पड़ रहा है।

'जाइए सजना' फेम जैस्मिन सैंडलस का छलका दर्द, शराब की लत और अकेलेपन से कैसे जीती जंग, खुद किया खुलासा

वैश्विक स्तर पर 3000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर इतिहास रचने वाली फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' न केवल अपनी सफलता के लिए, बल्कि अपने कलाकारों के व्यक्तिगत खुलासों के लिए भी चर्चा में है। फिल्म के हिट गाने 'जाइए सजना' को अपनी जादुई आवाज देने वाली सिंगर जैस्मिन सैंडलस ने हाल ही में अपनी जिंदगी के सबसे अंधेरे अध्याय यानी शराब की लत और उससे उबरने की कहानी साझा की है। रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में जैस्मिन ने पूरी ईमानदारी से बताया कि कैसे सफलता के शिखर पर होने के बावजूद वे अंदर से टूट चुकी थीं। उन्होंने शराब की लत के साथ अपने संघर्ष और उस पर काबू पाने के लिए किए गए सफ़र के बारे में पूरी ईमानदारी से बताया।

रणवीर अल्लाहबादिया के यूट्यूब चैनल पर हुई एक बातचीत में, जैस्मिन ने बताया कि शराब के साथ उनका रिश्ता तब शुरू हुआ जब वह 23 साल की थीं। उन्होंने कहा, 'उससे पहले, मैं शराब से दूर रहती थी, लेकिन जब ज़िंदगी में मुश्किलें आती हैं, तो आप सहारे की तलाश करते हैं।'

पीछे मुड़कर देखते हुए, उन्होंने माना कि वे साल पछतावे भरे थे, क्योंकि वह एक ही समय में कई तरह की भावनात्मक और निजी चुनौतियों का सामना कर रही थीं। 'उन 2-3 सालों में, जब मैं शराब पी रही थी, मैंने जो कुछ चीज़ें कीं, उनका मुझे आज भी पछतावा है। बहुत सारी चीज़ें एक साथ जमा हो गई थीं - एक तरफ मैं मशहूर थी, दूसरी तरफ मैं कुछ खास तरह की भावनाओं से गुज़र रही थी, मेरे परिवार के रिश्ते टूट रहे थे, मेरे पिता अब इस दुनिया में नहीं थे, और मैं एक सफल इंसान थी। मैंने ज़रूरत से ज़्यादा शराब पी, और मुझे इसका पछतावा है, लेकिन उस समय मेरे लिए ऐसा करना ज़रूरी था,' उन्होंने अपनी ज़िंदगी के मुश्किल दौर को याद करते हुए कहा। इस बात पर और खुलकर बात करते हुए कि किस वजह से वह इस रास्ते पर चली गईं, जैस्मिन ने अपने बचपन के कुछ ऐसे दर्द के बारे में बताया जो अभी तक ठीक नहीं हुए थे। 'बचपन में मेरे माता-पिता की वजह से मेरा दिल कई बार टूटा। उन्होंने अनजाने में कई बार मेरा दिल दुखाया, इसलिए मेरे मन में उनके लिए कुछ नाराज़गी है। मैं उनसे प्यार करती हूँ, लेकिन जब किसी बच्चे का दिल टूटता है, तो वह हमेशा के लिए टूटा ही रहता है। जब आपके पास भागकर जाने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं होती, तो आप पागलों की तरह हर चीज़ में अपना घर ढूँढ़ने लगते हैं। मैंने अपनी पूरी ज़िंदगी यही किया - बस एक घर की तलाश में भटकती रही।'

उन्होंने उस अकेलेपन के बारे में भी बात की जो इस सबके साथ आया, भले ही उनके आस-पास बहुत सारे लोग मौजूद थे। 'बाहर से सब कुछ बहुत शानदार दिखता है - महंगी शराब, हंसते-गाते लोग; मेरे आस-पास हमेशा लोग होते थे, लेकिन मैं बालकनी में अकेले बैठी रहती थी। उस भीड़ के बीच भी मुझे बहुत अकेलापन महसूस होता था, लेकिन मुझे समझ नहीं आता था कि क्या करूं या और कहां जाऊं।'

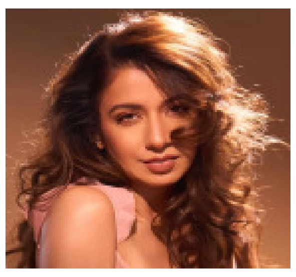

आईपीएल 2026 : बेंच पर बैठे वेस्ट इंडियन ऑलराउंडर का बयान

मेरा काम खुद को तैयार रखना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जेसन होल्डर ने टीम चयन को लेकर हो रही चर्चाओं को 'अनावश्यक ऊर्जा की खपत' बताया है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी का काम सिर्फ खुद को तैयार रखना है, न कि यह सोचना कि कौन खेलेगा या नहीं। होल्डर फिलहाल गुजरात टाइटन्स में मौका मिलने का इंतजार कर रहे हैं। आईपीएल 2026 में अब तक होल्डर को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। टीम मैनेजमेंट ने विदेशी खिलाड़ियों जैसे जोस बटलर, राशिद खान और कगिसो रबाडा को प्राथमिकता दी है। हालांकि हालिया हार के बाद टीम संयोजन में बदलाव की संभावना बढ़ गई है।

होल्डर ने साफ कहा: 'कब खेलना है, कौन खेलेगा-इन बातों में उलझना अनावश्यक ऊर्जा खर्च करता है। एक खिलाड़ी के रूप में मेरा काम है तैयार रहना।' उन्होंने यह भी कहा कि टीम की जरूरत सबसे ऊपर होती है और वही उनकी प्राथमिकता है।

होल्डर ने बताया कि वह टीम के लिए किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी और किसी भी समय गेंदबाजी करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अब उनका फोकस परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने पर है। टीम जहां भी उन्हें इस्तेमाल करेगी, वही उनके लिए सही भूमिका होगी।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ 99 रन की हार के बाद जीटी की टीम दबाव में है। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम सिर्फ 100 रन पर सिमट गई। इस हार के बाद टीम पॉइंट्स टेबल में टॉप-5 से बाहर हो गई है।

होल्डर ने कहा: 'हारना हमेशा मुश्किल होता है, लेकिन हमने ड्रेसिंग रूम में बैठकर सुधार के रास्तों पर चर्चा की है।' उन्होंने भरोसा जताया कि टीम अगले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेगी। अब टीम का पूरा फोकस वापसी पर है।

होल्डर ने युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि 145-150 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करना आसान नहीं होता। होल्डर के अनुसार, अशोक में रफ्तार के साथ-साथ शानदार कौशल भी मौजूद है।

सीएसके को लगा बड़ा झटका

टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाला बल्लेबाज आईपीएल 2026 से बाहर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ आईपीएल 2026 मैच से पहले चेन्नई सुपर किंग्स को एक बड़ा झटका लगा है। उनके युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण आईपीएल के मौजूदा सीजन से बाहर हो गए हैं। म्हात्रे के बीते शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी करते समय चोट लगी थी। फ्रैंचाइजी ने उनके टूर्नामेंट से बाहर होने की आधिकारिक पुष्टि की है।

सीएसके सीएसके ने एक बयान में कहा, 'आयुष म्हात्रे 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय लगी बाईं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण आईपीएल 2026 के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। आयुष की चोट के लिए 6-12 हफ्तों के रिहैबिलिटेशन (ठीक होने) की जरूरत होगी। हम आयुष के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं।'

इस सीजन में म्हात्रे सीएसके के सबसे अच्छे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाजों में से एक थे। उन्होंने 6 मैचों में 177.87 के स्ट्राइक रेट और 33.5 की औसत से 201 रन बनाए थे। वह 5 बार की चैंपियन टीम के लिए पावरप्ले में एक अहम खिलाड़ी थे और टीम को उनकी कमी खलेगी। सीएसके के लिए मौजूदा सीजन चोटों से भरा रहा है। डेवाल्ड ब्रेविस पहले तीन मैच नहीं खेल पाए, जबकि धोनी पिंडली में खिंचाव के कारण अभी तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। नाथन एलिस शुरू से ही बाहर हो गए थे और उनकी जगह आए स्पेंसर जॉनसन भी एक बड़ी चोट से उबरने के बाद ही टीम में शामिल हुए हैं। चोट के कारण बाहर होने वाले हालिया खिलाड़ी खलील अहमद थे, जो इस सीजन से बाहर हो गए। अब म्हात्रे को भी चोट के कारण टूर्नामेंट से हटना पड़ा है।

लॉरियस अवॉर्ड्स 2026 : कार्लोस अल्काराज़ और एरीना सबालेंका बने साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

मैड्रिड **(एजेंसी)**। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में आयोजित लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 में टेनिस खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। कार्लोस अल्काराज़ को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी, जबकि एरीना सबालेंका को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। अल्काराज़ ने पिछले एक साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रेंच ओपन, यूएस ओपन और इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किया। वहीं, दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका ने लगातार दूसरी बार यूएस ओपन जीतकर अपनी बादशाहत कायम रखी।

फ्रांस के फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट जर्मेन को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम का अवॉर्ड मिला। टीम ने 2025 में पहली बार यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीतकर इतिहास रचा था।

गोल्फर रोरी मैकलॉय को साल की सबसे शानदार वापसी करने वाले खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। उन्होंने हाल ही में मास्टर्स खिताब का सफल बचाव किया था। 18 वर्षीय फुटबॉलर लामिन यामल को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी चुना गया। वहीं लैंडो नॉरिस को उदीयमान खिलाड़ी का अवॉर्ड मिला।

शेफाली ने रचा इतिहास, 100 टी-20आई मैच खेलने वाली भारत की सबसे कम उम्र की क्रिकेटर बनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। शेफाली वर्मा 100 टी-20आई खेलने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने 22 साल और 81 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की है। इस युवा खिलाड़ी ने डरबन के किंग्समीड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी-20आई सीरीज के दूसरे मैच में यह मुकाम हासिल किया। ऐसा करके शेफाली ने जेमिमा रोड्रिग्स का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। जेमिमा ने 2024 महिला एशिया कप के दौरान 23 साल और 327 दिन की उम्र में अपना 100वां टी-20आई मैच खेला था।

शेफाली इस उपलब्धि तक पहुंचने वाली तीसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। उनसे आगे रवांडा की गिसेले इशिमवे और हेनरीएट इशिमवे हैं। वह 100 टी-20आई मैच खेलने वाली सिर्फ पांचवीं भारतीय महिला खिलाड़ी भी बन गई हैं। इस सूची में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स भी शामिल हैं। शेफाली ने 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था और तब उनकी उम्र सिर्फ 15 साल और 239 दिन थी। स्वभाव से निडर और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर, उन्होंने जल्द ही एक ऐसी बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाई जो दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों का सामना करने से नहीं डरती। वह देश की सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाली खिलाड़ी बनीं और सबसे होनहार युवा प्रतिभाओं में से एक के रूप में उभरीं।

उन्हें शुरुआती सफलता 2019 के महिला टी-20 चैलेंज में मिली। इस टूर्नामेंट में उन्होंने मिताली राज की कप्तानी में 'वेलोसिटी' टीम के लिए खेलते हुए सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। अनुभवी अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों के सामने भी शेफाली की दमदार बल्लेबाजी ने यह साबित कर दिया कि वह बड़े मंच के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस प्रदर्शन ने राष्ट्रीय टीम में उनके चयन की प्रक्रिया को और भी तेज कर दिया।

ईपीएफओ की सहारा इंडिया पर सख्त कार्रवाई

1204 करोड़ की रिकवरी शुरू कुर्की-नीलामी के आदेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सहारा इंडिया की विभिन्न इकाइयों के खिलाफ भविष्य निधि (पीएफ) बकाया को लेकर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। ईपीएफओ ने सहारा से करीब 1, 204 करोड़ रुपए की वसूली के लिए कानूनी प्रक्रिया तेज कर दी है।

लखनऊ स्थित ईपीएफओ कार्यालय के अनुसार, अप्रैल 2021 से अप्रैल 2023 के बीच सहारा समूह की कई यूनिट्स के खिलाफ रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किए गए थे। ये सभी मामले ईपीएफ अधिनियम के तहत आते हैं।

वसूली के आंकड़ों में चार बड़े दावे शामिल हैं, जिनमें सबसे बड़ा दावा 1, 179 करोड़ रुपए से अधिक का है। अन्य दावों की रकम 31 लाख रुपए से लेकर 23 करोड़ रुपए के बीच बताई गई है।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, ईपीएफओ ने रिकवरी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि लखनऊ में स्थित सहारा इंडिया की चल और अचल संपत्तियों को कुर्क कर उनकी नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाए।

यह कदम कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है। ईपीएफ अधिनियम की धारा 11(2) के तहत कर्मचारियों के पीएफ बकाया को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है यानी संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि सबसे पहले कर्मचारियों को दी जाएगी। इस कार्रवाई से उन हजारों कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है, जिनका इतना पैसा लंबे समय से अटका हुआ है।

हिंदुस्तान कॉपर की खनन विस्तार के लिए अगले पांच साल में 7, 189 करोड़ रुपए के पूंजी व्यय की योजना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) ने अपनी खदानों के विस्तार के लिए अगले पांच वर्षों में 7, 188.90 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। एचसीएल चालू वित्त वर्ष में 450.51 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय की योजना बना रही है। इसके बाद 2027 में 1, 421.73 करोड़ रुपए, 2028 में 1, 993.70 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। साथ ही 2029 में 2, 227.18 करोड़ रुपए और 2030 में 1, 095.48 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

एचसीएल के 'कॉरपोरेट प्लान-विजन 2030' के अनुसार कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने का भी लक्ष्य रख रही है। कुल अयस्क उत्पादन 2025-26 में 42.1 लाख टन प्रति वर्ष से बढ़कर 2029-30 तक 1.22 करोड़ टन सालाना होने का अनुमान है। यह योजना कंपनी को विकास एवं परिवर्तन के अगले चरण में ले जाने के लिए तैयार की गई व्यापक रूपरेखा है। एचसीएल को उम्मीद है कि उसका कर पश्चात लाभ (पीएटी) 2026 में 589 करोड़ रुपए से बढ़कर 2030 तक 1, 568 करोड़ रुपए हो जाएगा। कंपनी ने कहा कि इसी अवधि में आय वृद्धि के अनुरूप लाभांश भुगतान में भी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

एचसीएल ने अपना 'आईटी विज़न दस्तावेज 2026-2030' भी जारी किया जो एक डिजिटल रूप से एकीकृत एवं भविष्य के लिए तैयार संगठन की नींव रखता है। कंपनी ने कहा, " यह पांच वर्षीय रूपरेखा एचसीएल को एक सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार तांबा उद्यम के रूप में स्थापित करने के लिए रणनीतिक डिजिटल बदलाव की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। इसमें 2026-2030 कार्यान्वयन योजना के तहत सभी खदानों तथा संयंत्रों में संचालन को एकीकृत करने तथा सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।"

इस योजना में शामिल प्रमुख पहलों में हाइब्रिड भूमिगत संचार प्रणाली, सभी एचसीएल इकाइयों में मल्टीप्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग (एमपीएलएस) और हाई-स्पीड इंटरनेट लीज्ड लाइन लिंक के साथ कोर नेटवर्क संपर्क को अद्यतन करना और एक नए एकीकृत 'कमांड एंड कंट्रोल सेंटर' के माध्यम से एक एकीकृत डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण करना शामिल है।

अमेरिका-ईरान युद्ध का असर

कच्चे तेल इंपोर्ट में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिका-ईरान युद्ध का असर अब भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर साफ दिखाई देने लगा है। हालिया शिपिंग आंकड़ों के मुताबिक, मार्च महीने में भारत के कच्चे तेल के आयात में फरवरी के मुकाबले करीब 13% की गिरावट दर्ज की गई है।

इस गिरावट की बड़ी वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ा तनाव है, जो दुनिया के सबसे अहम तेल परिवहन मार्गों में से एक है। इस रूट से आने वाली सप्लाई में भारी कमी आई है और खाड़ी देशों से तेल आयात 61% तक गिरकर लगभग 1.18 मिलियन बैरल प्रतिदिन रह गया है। हालात इतने गंभीर हैं कि हाल के दिनों में इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों की संख्या बेहद कम हो गई है।

खाड़ी क्षेत्र से आपूर्ति प्रभावित होने के बाद भारत ने वैकल्पिक स्रोतों की ओर रुख किया है। रूस अब भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बनकर उभरा है। रूस से आयात लगभग दोगुना होकर 2.25 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया है और कुल आयात में उसकी हिस्सेदारी करीब 50% हो गई है।

वहीं सऊदी अरब अब दूसरे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि अंगोला से आयात बढ़ने के कारण वह तीसरे नंबर पर आ गया है। यूएई और इराक क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। इस बदलाव का असर ओपेक पर भी पड़ा है। भारत के कुल तेल आयात में ओपेक देशों की हिस्सेदारी घटकर करीब 29% रह गई है, जो अब तक का सबसे निचला स्तर माना जा रहा है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला सिंह अवमानना के दोषी, दिल्ली उच्च न्यायालय सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह को जानबूझकर उसके आदेश की अवहेलना करने के लिए अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया है। न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने कहा कि वह चार मई को सजा के मुद्दे पर सुनवाई करेंगे, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने भोलानाथ सिंह को 'उचित समझे जाने वाले उपाय' करके अवमानना को 'सुधारने' की स्वतंत्रता दी।

अदालत ने हॉकी इंडिया की निर्वाचित उपाध्यक्ष सईद असीमा अली द्वारा दायर अवमानना से संबंधित याचिका पर 20 अप्रैल को फैसला सुनाया। उन्होंने अपनी इस याचिका पर हॉकी इंडिया के अधिकारियों द्वारा 17 जनवरी, 2025 को पारित आदेश का पालन नहीं करने का आरोप लगाया था।

अदालत ने कहा कि उसके निर्देशों के अनुसार हॉकी इंडिया के अधिकारियों को याचिकाकर्ता को वे जरूरी लिंक उपलब्ध कराने थे जिससे कि वह कार्यकारी बोर्ड की सभी बैठकों में भाग ले सकें, लेकिन चार जुलाई, 2025 और 27 जुलाई, 2025 को आयोजित बैठकों के लिए ऐसा नहीं किया गया। इसमें पाया गया कि कथित तौर पर बाद की किसी भी घटना से अधिकारियों को याचिकाकर्ता को लिंक प्रदान करने के अपने दायित्व से छूट नहीं मिलती, जबकि उन्होंने निर्देश में संशोधन की मांग भी नहीं की थी।

अदालत ने अपने फैसले में कहा, "अवमानना को दूर करने का कोई प्रयास नहीं किया गया।" इसमें कहा गया है, "बिना शर्त माफी तो दूर की बात है, माफी का एक शब्द भी नहीं बोला गया। वैसे भी बिना शर्त माफी भी प्रतिवादियों, विशेष रूप से भोलानाथ सिंह को, अदालत के निर्देशों की जानबूझकर, सुनियोजित और स्वेच्छा से की गई अवहेलना से गंगा के पवित्र जल की तरह शुद्ध नहीं कर सकती।"

अदालत ने माना कि हॉकी इंडिया और सिंह ने वर्तमान कार्यवाही के दौरान जिस तरह से व्यवहार किया, वह अदालत की अवमानना का स्पष्ट मामला है। अदालत ने कहा कि सरकार के अधीन काम करने वाले और सरकार से धनराशि प्राप्त करने वाले राष्ट्रीय खेल महासंघ का अदालत के आदेशों का पालन न करना "प्रशासनिक पाप" से कम नहीं है।

फैसले में कहा गया है, "यह अदालत प्रतिवादियों, विशेष रूप से हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह को 17 जनवरी 2025 के आदेश का जानबूझकर उल्लंघन करने/पालन न करने के लिए अदालत की अवमानना का दोषी पाती है।" अली ने भोलानाथ सिंह को हॉकी इंडिया के महासचिव पद से हटाने के लिए याचिका दायर की थी जिस पर 17 जनवरी 2025 को आदेश पारित किया गया था।

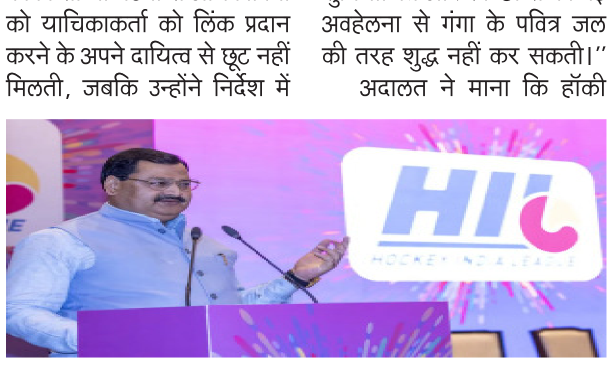

नोवाक जोकोविच ने की विराट कोहली की तारीफ कहा- उनके कारण ही क्रिकेट को फॉलो करता हूं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टेनिस आइकन नोवाक जोकोविच इन दिनों क्रिकेट को फॉलो कर रहे हैं। जिसकी वजह भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली हैं। खेल की दुनिया का ऑस्कर कहे जाने वाले लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स से इतर एक भारतीय न्यूज चैनल से बातचीत करते हुए जोकोविच ने किंग कोहली की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि उनकी वजह से ही उन्होंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया है। उन्होंने साथ में ये उम्मीद भी जताई की जब भी वह कभी भारत जाएंगे तो कोहली उनके साथ जरूर रहेंगे। साथ ही टेनिस स्टार ने जल्द ही भारत आने की बात कही है।

नोवाक जोकोविच ने टाइम्स नाउ के साथ बातचीत में कहा कि, विराट कोहली मेरे दोस्त हैं और ऐसे शख्स हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं प्रशंसा करता हूं। ईमानदारी से कहें तो उनकी वजह से ही मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया है। मैंने पहले भी इसे फॉलो किया लेकिन उनके जरिए और ज्यादा फॉलो करना शुरू किया। हम संपर्क में रहते हैं और उम्मीद करता हूं कि मैं जब भी भारत आऊंगा, मैं कहना तो नहीं चाहता लेकिन मैं जब भी भारत आऊंगा वह मेरे साथ हो सकते हैं। हम थोड़ा बहुत टेनिस खेलेंगे और थोड़ा बहुत क्रिकेट। मस्ती करेंगे और स्पोर्ट का आनंद लेते हुए पॉजिटिव, गुड वाइब्स फैलाएंगे।

वही नोवाक ने खुद को भारत का फैन बताया। उन्होंने बताया कि वह जल्दी ही भारत आने का भी प्लान कर रहे हैं जिसका वह लंबे समय से फैन रहे हैं।

जोकोविच ने कहा कि, मुझे व्यक्तिगत तौर पर भारतीय टेनिस और दुनियाभर के खेलप्रेमियों से सालों से जो सपोर्ट मिलता रहा है उस पर मेरा हमेशा प्यार, सम्मान और तारीफ का संदेश रहेगा। मेरा संदेश ये भी होगा कि बहुत जल्द आपसे भारत में मिलेंगे क्योंकि मुझे वहां जाने की जरूरत है। मैं पिछले कुछ सालों से भारत जाने की इच्छा रखता हूं।

शौर्य भारत

UPHIN/2021/84100

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
एस कुमार

मुद्रण स्थल
राधेश्याम पटेल वेब ऑफसेट प्रिंटर्स, 65 मोनार्की इंडस्ट्रियल स्टेट, तेलियरगंज प्रयागराज

प्रकाशन स्थल
399-ए, चक रघुनाथ हनुमान नगर नैनी, प्रयागराज (यू.पी.)

सम्पादकीय टीम
सम्पादक : एस कुमार

-: e-mail : -
shauryabharat24x7@gmail.com

सूचना
शौर्य भारत से संबंधित सभी विवादों का निपटारा प्रयागराज न्यायालय क्षेत्र में ही किया जायेगा।

विज्ञापन हेतु सम्पर्क
शौर्य भारत से जुड़ने व समाचार/विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें - 7458047077